गांधी जी के सुविचार

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

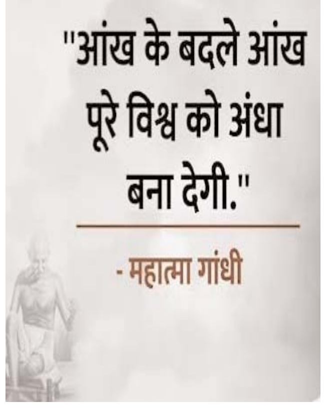

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-207 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 26 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सिक्किम में भारी बारिश के बाद भूस्खलन से 50 परिवार बेघर, कई मकान तबाह

पहाड़ी से गांव की तरफ तेजी से आया मलबा

गंगटोक (आरएनएस)। सिक्किम में लगातार हो रही बारिश के बीच भूस्खलन की एक और बड़ी घटना सामने आई है। पश्चिम सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी गांव में पहाड़ से अचानक भारी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और मलबा नीचे आ गिरा। इसकी चपेट में आने से कई मकान और सरकारी आवास क्षतिग्रस्त हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूस्खलन और बारिश के कारण कम से कम 50 परिवार बेघर हो गए हैं। हालांकि, घटना में फिलहाल किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है।

पिछले 24 घंटे से इलाके में लगातार बारिश हो रही थी। इसी दौरान पहाड़ी का एक हिस्सा भरभराकर नीचे आ गया और मिट्टी, पत्थर तथा मलबे ने देखते ही देखते बस्ती के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। अचानक आए मलबे के कारण गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। कई परिवारों के घरों को भारी नुकसान पहुंचा है।

भूस्खलन से प्रभावित लोगों में स्थानीय पत्रकार सूरज सुब्बा भी शामिल हैं। बताया गया है कि इस आपदा में उनका नया मकान पूरी तरह तबाह हो गया। कई परिवारों के लिए यह घटना इसलिए भी बेहद पीड़ादायक है, क्योंकि वर्षों की मेहनत से बनाए गए उनके घर और जीवनभर की जमा-पूंजी कुछ ही पलों में मलबे में बदल गई। घरों के साथ लोगों की वर्षों पुरानी यादें और जरूरी सामान भी बर्बाद हो गए।

इस बीच, उत्तर सिक्किम के प्रमुख पर्यटन स्थल लाचेन को हाल ही में पर्यटकों और आम वाहनों के लिए फिर से खोल दिया गया है। अक्टूबर 2023 की शुरुआत में दक्षिण ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने उत्तर सिक्किम के बड़े हिस्से को प्रभावित किया था। बाढ़ से चुंगथांग बांध समेत कई इलाकों में सड़कें, पुल और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी।

आपदा के बाद सुरक्षा कारणों और बड़े पैमाने पर हुए नुकसान के चलते लाचेन लंबे समय तक पर्यटकों के लिए बंद रहा। इससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटन पर निर्भर कारोबार को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा। क्षेत्र में सामान्य आवागमन बहाल करने के लिए सेना, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ-ग्रीफ) और सिक्किम प्रशासन ने व्यापक स्तर पर काम किया।

इस वर्ष फरवरी तक सामान्य यातायात व्यवस्था बहाल करने के प्रयास किए गए थे। हालांकि, 5 अप्रैल को एक बार फिर भूस्खलन के कारण 'तारम चू' सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद सड़क को दोबारा दुरुस्त करने का काम तेज गति से शुरू किया गया और 29 अगस्त तक इसे ठीक कर लिया गया। इसके बाद लाचेन को पर्यटकों और आम वाहनों के लिए फिर से खोलने का रास्ता साफ हुआ।

सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक भाषा हिंदी करने की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (आरएनएस)। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी के इस्तेमाल की संभावनाओं की जांच करने और इस संबंध में सिफारिशें देने के लिए केंद्र सरकार को एक आयोग गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायालय ने कहा कि भाषा संबंधी ऐसे बदलाव न्यायिक आदेश के माध्यम से नहीं किए जा सकते और इसके लिए संवैधानिक प्रावधानों में बदलाव की आवश्यकता होगी।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। पीठ ने ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्रा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में एस्टोनिया की राजदूत क्रिस्टी कारेलसोहन से परिचय पत्र प्राप्त किया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन, कई नेता हिरासत में

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी काज़ी निज़ामुद्दीन और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस ने शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और उन्हें पद से हटाने की मांग की। दिल्ली, पटना, चंडीगढ़, मणिपुर, जम्मू, कोलकाता, लखनऊ, भुवनेश्वर, हैदराबाद, शिमला और देहरादून समेत कई शहरों में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। कई स्थानों पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए अवरोधक लगाए, जबकि कुछ जगहों पर पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई समेत पार्टी के कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय तक मार्च निकालने की योजना बनाई थी। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाने वाले थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में अवरोधक लगाकर उन्हें रोक दिया। इसके बाद गोगोई और अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया गया।कांग्रेस नेताओं का कहना है कि निर्वाचन आयोग के कामकाज और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के साथ उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग की है। कांग्रेस ने इससे पहले अपने प्रदेश संगठनों को 25 सितंबर को राज्य निर्वाचन कार्यालयों तक विरोध मार्च निकालने और 28 सितंबर को जिला स्तर पर प्रदर्शन करने का निर्देश दिया था।बिहार की राजधानी पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन कार्यालय की ओर मार्च किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया।

मेक इन इंडिया' से कई सेक्टर्स में आया बड़ा बदलाव, भारत में निवेश के साथ बढ़ा निर्यात : पीएम मोदी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। 'मेक इन इंडिया' के 12 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि इससे भारत के कई सेक्टर्स में बड़ा बदलाव आया है और देश के निर्यात और निवेश में भी इजाफा हुआ है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, भारत में ज्यादा उत्पादन, भारत में ज्यादा निवेश, भारत से ज्यादा निर्यात। हर सेक्टर में बदलाव साफ दिख रहा है! मेक इन इंडिया आने के बाद से भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स का उत्पादन लगभग सात गुना बढ़ गया है, जो 2014-15 में 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, देश में बने डिफेंस उत्पादों की वैल्यू 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपए हो गई है।भारत को मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और इनोवेशन के लिए ग्लोबल हब बनने के मकसद से 25 सितंबर 2014 को 'मेक इन इंडिया' शुरू किया गया था।

म्यांमार सीमा पार से आए हथियारबंद आतंकियों का खूनी खेल, मणिपुर के 4 लोगों की हत्या; 24 घंटे का बंद घोषित

इंफाल,(आरएनएस)। मणिपुर के सीमावर्ती कामजोंग जिले में गुरुवार दोपहर एक बार फिर खून-खराबा देखने को मिला। इंडो-म्यांमार बॉर्डर पिलर नंबर 95 के समीप बसे पिलोंग गांव में हथियारबंद हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर पिता-पुत्र समेत चार लोगों को मौत के घाट उतार दिया। यह इलाका चासाड पुलिस स्टेशन से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि हमलावर म्यांमार सीमा पार से भारतीय क्षेत्र में घुसे थे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

शाम करीब 4 बजे हुए इस अचानक हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। हमले के दौरान अखन कापिंग नाम का एक स्थानीय व्यक्ति किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागने में सफल रहा, जिसने बाहर आकर इस खौफनाक वारदात की जानकारी दी। सूचना मिलते ही चासाड पुलिस स्टेशन के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम, असम राइफल्स के जवानों और स्थानीय ग्रामीणों के साथ मौके पर रवाना हुई ताकि शवों और घायलों को वहां से सुरक्षित लाया जा सके।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आठ के खिलाफ चार्जशीट, सीसीटीवी में 85 बार रकम हटाने का दावा

अयोध्या (ए.)। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे की रकम में कथित गबन के मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस की विवेचना रिपोर्ट में सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल चैट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), बैंकिंग लेनदेन और बरामदगी को प्रमुख साक्ष्य बनाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला उर्फ शनि 85 बार चढ़ावे की रकम हटाकर छिपाते हुए सीसीटीवी में दिखाई दिया, जबकि अन्य आरोपियों की भूमिका भी फुटेज में दर्ज होने का दावा किया गया है।

रामजन्मभूमि थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 90/2026 में क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने विवेचना पूरी करने के बाद 22/23 सितंबर को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में चार्जशीट दाखिल की। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5), 317(2), 317(5), 61(2) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(ड्ड) सहपठित धारा 13(2) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, गणना कक्ष में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच में चढ़ावे की रकम हटाने और इसमें एक-दूसरे का सहयोग करने की घटनाएं सामने आईं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अविनाश शुक्ला उर्फ शनि 85 बार रकम चुराकर कपड़ों और कमर में छिपाते तथा चार बार अन्य आरोपियों की मदद करते दिखा। करुणेश पाण्डेय दो बार रकम हटाते और 68 बार सह-अभियुक्तों का सहयोग करते दिखाई दिया।

यौन शोषण मामलाः बृजभूषण शरण सिंह को बरी करने के फैसले को चार महिला पहलवानों ने दी चुनौती

नई दिल्ली, (आरएनएस)। यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह और महासंघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर को बरी करने के निचली अदालत के फैसले को चार महिला पहलवानों ने चुनौती दी है। महिला पहलवानों ने राऊज एवेन्यू स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय में याचिकाएं दाखिल की हैं। विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह इन याचिकाओं पर 26 सितंबर को सुनवाई करेंगे।

महिला पहलवानों ने राऊज एवेन्यू अदालत के मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा तीन अगस्त को दिए गए आदेश के खिलाफ सत्र न्यायालय का रुख किया है। याचिकाओं में दावा किया गया है कि मजिस्ट्रेट अदालत का फैसला सही नहीं है और इसे चुनिंदा साक्ष्यों के आधार पर सुनाया गया। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि निचली अदालत ने स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की।

मजिस्ट्रेट अदालत ने तीन अगस्त को अपने आदेश में महिला पहलवानों की ओर से कथित घटनाओं के बाद लंबे समय तक चुप रहने और आरोपियों के साथ सामान्य संबंध जारी रखने सहित विभिन्न परिस्थितियों पर विचार करते हुए बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर को बरी कर दिया था।

बालोद के मरकाटोला घाट में खड़े वाहन को ट्रक ने मारी टक्कर, छह की मौत, सात घायल

रायपुर/बालोद, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के मरकाटोला घाट में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। दुर्घटना उस समय हुई, जब कवर्धा से जगदलपुर की ओर जा रहा एक खराब वाहन सड़क किनारे खड़ा था और पीछे से आ रहे गेहूं से भरे 16 पहिया ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक खराब वाहन को कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गया और बाद में स्वयं भी पलट गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, 25 सितंबर 2026 को स्वराज माजदा वाहन क्रमांक सीजी-10-बीयू-7174 कवर्धा से जगदलपुर की ओर जा रहा था। मरकाटोला घाट के पास वाहन खराब हो गया था और उसे सड़क किनारे खड़ा किया गया था। वाहन में कुल 15 लोग सवार थे, जिनमें से दो लोग खराब वाहन को ठीक कराने के लिए मैकेनिक लेने धमतरी की ओर चले गए थे। वाहन में उस समय 13 लोग मौजूद थे।

इसी दौरान सुबह करीब 11.30 बजे रायपुर से जगदलपुर की ओर जा रहे 16 पहिया टाटा ट्रक क्रमांक सीजी-04-क्यूवाई-5947 ने सड़क किनारे खड़े स्वराज माजदा को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रक में गेहूं भरा हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए खड़े वाहन को टक्कर मारी। टक्कर के बाद ट्रक स्वराज माजदा को घसीटते हुए कुछ दूर तक ले गया और फिर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल धमतरी भेजा गया। उपचार के दौरान चार और घायलों की मौत हो गई। इस तरह दुर्घटना में अब तक छह लोगों की जान जा चुकी है। सात घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। मृतकों की पहचान कोमल साहू (20), निवासी सिलहाटी, थाना बोड़ला, जिला कबीरधाम; अनीश पात्रे (22), निवासी मानिकपुर, थाना बोड़ला, जिला कबीरधाम; दीपक कुम्हार (17), निवासी वार्ड नंबर 17, कुम्हारपारा, मुंगेली; राजा सावरा (27), निवासी मिनीमाता चौक, वार्ड नंबर 17, कबीरधाम; कृष्णा चौहान (18), निवासी ग्राम पोड़ी, जिला कबीरधाम, मूल निवासी डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव और सुंदर लाल साहू (29), निवासी ग्राम कुसुमघटा, थाना बोड़ला, जिला कबीरधाम के रूप में हुई है।

ज्यूरिख से दिल्ली की उड़ान से पहले शराब के नशे में मिला एयर इंडिया पायलट, निलंबित

नईदिल्ली , (आरएनएस)। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से दिल्ली की उड़ान से पहले एयर इंडिया के एक पायलट का अल्कोहल टेस्ट किया गया, जिसमें वह फेल हो गया। इसके बाद उड़ान को निलंबित कर दिया गया। घटना 6 सितंबर की बताई जा रही है। ज्यूरिख हवाई अड्डे पर उड़ान भरने से पहले हुई जांच में फर्स्ट ऑफिसर पायलट नशे में पाया गया था। घटना के बाद पायलट को यात्री के रूप में भारत वापस भेज दिया गया। मामले की जांच की जा रही है।रिपोर्ट के मुताबिक, पायलट की शराब जांच करने वाले अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के रक्त में पायलटों के लिए निर्धारित सीमा से अधिक अल्कोहल की मात्रा पाई गई है।इसके बाद दिल्ली जाने वाली उड़ान एआई-151 को रद्द कर दिया गया और स्विस विमानन नियामकों ने जांच शुरू कर दी गई।पायलट को निलंबित कर दिया गया है और अंतिम चिकित्सा परीक्षण रिपोर्ट आने और जांच पूरी होने तक वह निलंबन के अधीन रहेंगे।एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, सुरक्षा, नियामक या कंपनी प्रोटोकॉल के किसी भी उल्लंघन के प्रति एयर इंडिया की ज़ीरो-टॉलरेंस नीति है। किसी भी पुष्ट उल्लंघन से सख्ती से निपटा जाएगा और नियामक आवश्यकताओं और कंपनी नीति के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।एयरलाइंस ने कहा कि अनुशासन, अनुपालन और जवाबदेही की संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए, एयर इंडिया ने सभी चालक दल के सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के बारे में फिर से याद दिलाया है।

अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर किया नमन
-लालघाटी स्थित श्रद्धेय दीनदयाल जी की प्रतिमा पर की पुष्पांजलि अर्पित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय जन संघ के संस्थापक श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के साथ एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत आम का पौधा रोपा। इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने संदेश में कहा कि हमारे प्रेरणा स्रोत श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन आज भी समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। दीनदयाल जी के राष्ट्र सेवा और जनकल्याण के विचारों से प्रेरणा लेते हुए हम समावेशी विकास के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के शुभारंभ कार्यक्रम मे एमओयू का आदान प्रदान हुआ

रेलवे ने बढ़ाए स्पेशल ट्रेनों के फेरे: दो एक्सप्रेस के बदले रास्ते, इन स्टेशनों पर नहीं होगा ठहराव

भोपाल (आरएनएस)। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने भोपाल मंडल होकर चलने वाली तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ा दिए हैं। वहीं, गोरखपुर-गोंडा रेलखंड पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते दो ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। इससे कुछ स्टेशनों पर इन ट्रेनों का ठहराव प्रभावित रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन के बदले मार्ग और प्रभावित ठहराव की जानकारी जांचने की अपील की है। ट्रेनों की समय-सारणी और ताजा जानकारी रेलवे की अधिकृत सूचना प्रणाली और रेलवन ऐप पर देखी जा सकती है।

तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़े

1- इंदौर-सूबेदारगंज स्पेशल: ट्रेन संख्या 04170 इंदौर-सूबेदारगंज के फेरे 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को बढ़ाए गए हैं। वापसी में ट्रेन संख्या 04169 सूबेदारगंज-इंदौर 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को चलेगी। यह ट्रेन रूठियाई, गुना और शिवपुरी होकर

संचालित होगी।

2- बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल: ट्रेन संख्या 02200 के फेरे 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को बढ़ाए गए हैं। वापसी में ट्रेन संख्या 02199 झांसी-बांद्रा टर्मिनस 1 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। यह ट्रेन चाचौड़ा बीनागंज, रूठियाई, गुना और शिवपुरी होकर जाएगी।

3- उधना-प्रयागराज स्पेशल: ट्रेन संख्या 04106 के फेरे 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को बढ़ाए गए हैं। वापसी में ट्रेन संख्या 04105 प्रयागराज-उधना 1 अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार और रविवार को चलेगी। यह ट्रेन रूठियाई और गुना होकर संचालित होगी। दो एक्सप्रेस के बदले रास्ते, कई स्टेशनों पर नहीं रुकेंगीपूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर-गोंडा खंड में 26 और 27 सितंबर को स्वचालित सिग्नलिंग से जुड़ा नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य होगा। इसके चलते भोपाल मंडल होकर चलने वाली दो ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस: ट्रेन संख्या 20103 को 26 सितंबर को गोंडा-बस्ती-गोरखपुर के बजाय गोंडा-बढ़नी-गोरखपुर मार्ग से चलाया जाएगा। इसके चलते ट्रेन मस्कनवा, बभनान, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशन नहीं जाएगी।

राप्तीसागर एक्सप्रेस: ट्रेन संख्या 12511 गोरखपुर-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल एक्सप्रेस 27 सितंबर को गोरखपुर-बस्ती-गोंडा के बजाय गोरखपुर-बढ़नी-गोंडा मार्ग से चलेगी।

सरकार के कार्यों को धरातल तक पहुंचाना मीडिया, सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी: हेमंत खंडेलवाल

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया और सोशल मीडिया प्रभारी शिवराज सिंह डाबी ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की मौजूदगी में दोनों पदाधिकारियों ने कार्यालय परिसर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन और संभाग प्रभारी अभय यादव सहित मीडिया विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पार्टी की विचारधारा, नीतियों और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मीडिया और सोशल मीडिया विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यों को धरातल तक पहुंचाना और संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से जनता तक ले जाना दोनों विभागों की जिम्मेदारी है।

जीतू पटवारी ने सुगम परिवहन सेवा पर उठाए सवाल, बसों की उम्र, फिटनेस और सुरक्षा पर मांगा जवाब

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बसों की उम्र, फिटनेस, सुरक्षा और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर सरकार से सवाल किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुरानी बसों की डेंटिंग-पेंटिंग और रंग-रोगन कर उन्हें नई बसों के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सरकार की ओर से सेवा को आधुनिक और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में कदम बताया गया है। जीतू पटवारी ने शुक्रवार को मीडिया को जारी बयान में कहा कि नई परिवहन सेवा की शुरुआत सकारात्मक कदम है, लेकिन सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सड़कों पर उतारी जा रही बसों की

वास्तविक स्थिति क्या है। उनके अनुसार केवल रंग-रोगन या डेंटिंग-पेंटिंग से पुरानी बस नई नहीं हो जाती। उन्होंने बसों की फिटनेस, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मानकों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में लंबे समय से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को लेकर सवाल उठते रहे हैं और करीब 21 साल बाद सरकारी बस सेवा नए स्वरूप में शुरू हो रही है। ऐसे में सरकार को पुरानी व्यवस्था की कमियों की जिम्मेदारी लेने के साथ नई सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी चाहिए पीसीसी चीफ पटवारी ने बसों के रंग को लेकर चल रही बहस पर कहा कि असली मुद्दा बस का रंग नहीं, बल्कि उसकी उम्र, फिटनेस और यात्रियों की सुरक्षा है।

भोपाल में पूर्व कांग्रेस पार्षद ने लगाई फांसी

सिकल सेल की बीमारी से परेशान थे मुकेश गजभिए; पत्नी अस्पताल ले जाने वाली थीं, तब उठाया कदम

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के अवधपुरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व पार्षद मुकेश गजभिए ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वे लंबे समय से सिकल सेल बीमारी से जूझ रहे थे और करीब दो महीने से उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, पुलिस ने अभी आत्महत्या की सही

वजह की पुष्टि नहीं की है। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को मुकेश की पत्नी उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने घर में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

अवधपुरी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के सटीक कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस परिजनों के बयान, मेडिकल रिकॉर्ड और अन्य परिस्थितियों के आधार पर आत्महत्या की वजह स्पष्ट करने का प्रयास कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति साफ हो सकेगी।

भोपाल पुलिस-वकील विवाद

फटकार के बाद निलंबित टीआई ने सोशल मीडिया से हटाया वीडियो, अब विभागीय कार्रवाई के संकेत

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के पुलिस-वकील विवाद के बाद निलंबित टीआई राजन सिंह अहिरवार ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर एक वरिष्ठ महिला अधिकारी पर आरोप लगाए थे। वीडियो वायरल होने के बाद उसे फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटा दिया गया। इस मामले में टीआई समेत दो आरक्षकों को पहले निलंबित किया गया था और बाद में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

राजधानी भोपाल में पुलिस-वकील विवाद और खुद के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने वाले निलंबित टीआई ने अब फेसबुक और इंस्टाग्राम से वीडियो हटा लिया है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को दिनभर वीडियो वायरल होने के बाद आला अधिकारियों ने निलंबित टीआई को फटकार लगाई। हाल ही में पुलिस मुख्यालय ने भी पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को सोशल मीडिया से दूरी बनाने की हिदायत दी थी। अब माना जा रहा है कि वीडियो वायरल होने के बाद निलंबित टीआई राजन सिंह अहिरवार पर और भी विभागीय कार्रवाई हो सकती है। जानकारी के अनुसार, निलंबित थाना प्रभारी राजन सिंह अहिरवार ने गुरुवार सुबह व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट कर पुलिस-वकील विवाद पर अपनी बात रखी थी।

कुपोषण के खिलाफ मैदानी स्तर पर मजबूत हो रही पोषण व्यवस्था : सचिव श्रीमती रश्मि

कुपोषण के खिलाफ मैदानी स्तर पर मजबूत हो रही पोषण व्यवस्था : सचिव श्रीमती रश्मि

पोषण आहार की गुणवत्ता से लेकर कुपोषित बच्चों के उपचार और पुनर्वास तक की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार और कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषण व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ कुपोषित बच्चों की पहचान, उपचार, पुनर्वास और निरंतर निगरानी पर भी विभाग का विशेष फोकस है। महिला एवं बाल विकास सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि ने शुक्रवार को विदिशा जिले का भ्रमण कर आंगनबाड़ी केन्द्रों, पोषण पुनर्वास केन्द्र और सामुदायिक रसोई की व्यवस्थाओं का मैदानी स्तर पर जायजा लिया। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने उनके साथ भ्रमण कर जिले में संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि ने ग्राम कुंआखेड़ी स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, पोषण आहार और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद विदिशा ग्रामीण परियोजना के अंतर्गत खरी तथा ग्यारसपुर परियोजना के अटारीखेजड़ा क्रमांक-2 एवं 3 और मानोरा क्रमांक-2 स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति को मौके पर देखा।

कुपोषित बच्चों के उपचार से लेकर पुनर्वास तक पर नजर

ग्यारसपुर स्थित पोषण पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण करते हुए सचिव ने अतिगंभीर एवं कुपोषित बच्चों के उपचार, पोषण आहार, स्वास्थ्य सेवाओं और पुनर्वास की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों और उनके परिवारों से संवाद कर उपचार एवं पोषण की स्थिति जानी तथा संबंधित अधिकारियों से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और उपचार के बाद उनकी निरंतर निगरानी की व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। सचिव श्रीमती रश्मि ने कहा कि कुपोषण से निपटने के लिए बच्चों को केवल भोजन उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी पोषण स्थिति की नियमित निगरानी, समय पर कुपोषण की पहचान, आवश्यक उपचार और परिवार की सहभागिता भी जरूरी है। आंगनबाड़ी केन्द्रों को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सेवाओं का प्रभावी केन्द्र बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि ने ग्यारसपुर में अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में लक्ष्मी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित सामुदायिक रसोई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की निर्माण प्रक्रिया, स्वच्छता, पोषण गुणवत्ता और केन्द्रों तक वितरण व्यवस्था की जानकारी ली।

जल केवल संसाधन नहीं, आर्थिक संवृद्धि और सतत विकास की मूल धुरी है : अपर मुख्य सचिव श्री दुबे

नई दिल्ली के 9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह में मध्यप्रदेश ने प्रस्तुत की संधारणीय जल प्रबंधन की अनुकरणीय रूपरेखा

इंदौर का ग्रीन बॉन्ड और नमामि नर्मदे मिशन जल संरक्षण के क्षेत्र में बने देश के लिए मिसाल

भोपाल (ए.)। अपर मुख्य सचिवनगरीय विकास एवं आवास संजय दुबे ने कहा है कि जल केवल एक साधारण प्राकृतिक संसाधन नहीं, अपितु एक रणनीतिक परिसंपत्ति है, जो राज्य की आर्थिक संवृद्धि, नगरीय सहनशीलता, पर्यावरण संधारणीयता और दीर्घकालिक विकास आयोजना की मूल धुरी है। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह में जल को राष्ट्रीय परिसंपत्ति के रूप में पुनर्परिभाषित करना विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय परिचर्चा में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भावी जल सुरक्षा और समर्थ शहरों के निर्माण के लिए नवोन्मेषी वित्तीय तंत्रों, टिकाऊ अधोसंरचना विकास तथा एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन को अंगीकार करना समय की मांग है।

नगरीय विकास और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संतुलन

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने राज्य की दूरदर्शी जल प्रबंधन नीतियों को रेखांकित करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन संधारणीय अधोसंरचना, नवीन वित्तीय प्रबंधन और उत्तरदायी जल संरक्षण को एक साथ एकीकृत कर रहा है। उन्होंने इंदौर में नर्मदा नदी प्रणाली से संबद्ध जल अधोसंरचना के लिए जारी किए गए देश के सफल ग्रीन बॉन्ड का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि इंदौर का यह नवाचार यह सिद्ध करता है कि किस प्रकार नगरीय विकास और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को एक साथ गति दी जा सकती है।

नमामि नर्मदे मिशन और दीर्घकालिक जल सुरक्षा

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने कहा कि नमामि नर्मदे मिशन नदियों के पुनरुद्धार, पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और दीर्घकालिक जल सुरक्षा के प्रति मध्यप्रदेश की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह मिशन राज्य के उस व्यापक दृष्टिकोण के अनुकूल है, जिसके तहत आर्थिक प्रगति को प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रबंधन और संरक्षण का संबल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बल दिया कि विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि के लिए मध्यप्रदेश समावेशी विकास, सुदृढ़ नगरीकरण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिये जल सुरक्षा को निरंतर सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

इंडिया वाटर डाइजेस्ट पॉलिसी ब्रीफ का विमोचन

सत्र में काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (CEEW) तथा एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई नीतिगत रिपोर्ट इंडिया वाटर डाइजेस्ट: स्केलिंग इन्वेस्टमेंट फॉर ए वाटर-सिक्योर इंडिया का विमोचन किया गया। यह रिपोर्ट जल क्षेत्र में पूंजीगत निवेश को बढ़ाने तथा भारत की विकास यात्रा में जल सुरक्षा को एक अनिवार्य आर्थिक स्तंभ के रूप में स्थापित करने पर बल देती है।

मौसम बदला तो बढ़ा वायरल का दबाव: भोपाल में एक महीने में स्वाइन फ्लू के 80 मामले, दो की हो चुकी है मौत

भोपाल (आरएनएस)। मौसम में बदलाव के साथ राजधानी में वायरल और सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 समेत कई रेस्पिरेटरी वायरस के मामले सामने आ रहे हैं। पिछले एक महीने में भोपाल में स्वाइन फ्लू के करीब 80 मामले सामने आए हैं। इस दौरान दो मरीजों की मौत की भी जानकारी है। शहर के प्रमुख सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में भी मौसमी बीमारी और वायरल संक्रमण का दबाव बढ़ा है। हमीदिया, जेपी अस्पताल और एम्स भोपाल की रोजाना ओपीडी में आने वाले मरीजों में करीब 30 प्रतिशत मरीज मौसमी बीमारी या वायरल संक्रमण से पीड़ित बताए जा रहे हैं। भोपाल सीएमएचओ डॉ. मनीश शर्मा ने गंभीर लक्षण दिखने पर डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह दी है। उन्होने कहा है कि भीड़भाड़ वाली जगहों और अस्पतालों में मास्क लगाने, हाथों की सफाई रखने और लक्षण होने पर दूसरों से दूरी बनाए रखने से संक्रमण के प्रसार को कम किया जा सकता है। बिना डॉक्टर की सलाह के दवा, खासकर एंटीबायोटिक या एंटीवायरल, नहीं लेना चाहिए।

जांच में 20 प्रतिशत नमूने पॉजिटिव

भोपाल के तीन बड़े सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ रही। एम्स भोपाल में 6,136, हमीदिया में 3,786 और जेपी अस्पताल में 2,246 मरीज ओपीडी में पहुंचे। एम्स में जांच के लिए आने वाले नमूनों में करीब 20 प्रतिशत की रिपोर्ट पॉजिटिव मिल रही है। इनमें भोपाल के साथ दूसरे जिलों से जांच के लिए भेजे गए नमूने भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर के शुरुआती दो सप्ताह में ही 46 मरीज मिले। प्रदेश में इस साल अब तक 350 से ज्यादा स्वाइन फ्लू के मामले सामने आ चुके हैं।

स्वाद-गंध कम होने से कोरोना का डर

वायरल संक्रमण के कई मरीजों में बुखार, खांसी, बदन दर्द के साथ स्वाद और गंध कम होने की शिकायत भी मिल रही है। इससे कोरोना संक्रमण को लेकर लोगों की चिंता बढ़ रही है। चिकित्सकों के अनुसार, इस समय इंफ्लुएंजा और दूसरे रेस्पिरेटरी वायरस सक्रिय हैं। स्वाद और गंध कम होना केवल कोरोना का लक्षण नहीं है। किसी वायरस की पुष्टि के लिए जांच जरूरी है। मौसम बदलने के कारण कुछ मरीजों में बुखार, लगातार खांसी और कमजोरी लंबे समय तक बनी रह रही है। समय पर उपचार नहीं मिलने पर संक्रमण फेफड़ों तक पहुंचकर निमोनिया का कारण बन सकता है।

भिंड में दर्दनाक हादसा, शराब के नशे में था चालक, खेत में पलटी तेज रफ्तार बस, 15 यात्री घायल

भिंड (ए.)। भिंड के लहार में तेज रफ्तार बस जैतपुरा मोड़ पर अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। हादसे में 15 यात्री घायल हुए, जिनमें छात्र-छात्राएं भी शामिल हैं। तीन गंभीर घायलों को ग्वालियर रेफर किया गया।

मध्य प्रदेश के भिंड जिले के लहार क्षेत्र में तेज रफ्तार यात्री बस के अनियंत्रित होकर पलटने से बड़ा हादसा हो गया। दबोह से लहार जा रही बस जैतपुरा मोड़ के पास सड़क से उतरकर खेत में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस में सवार करीब 15 यात्री घायल हुए हैं। इनमें स्कूल और कोचिंग जाने वाले छात्र-छात्राओं के अलावा बुजुर्ग यात्री भी शामिल हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का उपचार लहार के सिविल अस्पताल में जारी है।बताया जा रहा है कि यह बस रोजाना की तरह दबोह से यात्रियों को लेकर लहार की ओर रवाना हुई थी। बस में बड़ी संख्या में स्थानीय यात्री मौजूद थे। इनमें ऐसे छात्र-छात्राएं भी शामिल थे, जो पढ़ाई के लिए लहार के स्कूलों और कोचिंग संस्थानों

में जाते हैं। बस जब जैतपुरा मोड़ के नजदीक पहुंची, तभी अचानक चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस की रफ्तार काफी तेज थी। नियंत्रण खोने के बाद बस सड़क से नीचे उतर गई और कुछ ही दूरी पर खेत में पलट गई। हादसे में बस को भी काफी नुकसान पहुंचा है। दुर्घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों और मौके पर मौजूद लोगों ने चालक को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि चालक कथित तौर पर शराब के नशे में बस चला रहा था और वाहन की गति भी काफी अधिक थी। यात्रियों के मुताबिक मोड़ पर पहुंचने के दौरान चालक बस को संभाल नहीं सका। कुछ यात्रियों ने आरोप लगाया कि स्थिति बिगड़ने के बाद चालक बस से कूद गया, जिसके बाद वाहन पूरी तरह बेकाबू होकर खेत में पलट गया। हालांकि, चालक के शराब के नशे में होने की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसकी वास्तविकता मेडिकल जांच और पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। इसके बाद घायलों को तत्काल लहार के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने सभी घायलों की जांच कर प्राथमिक उपचार शुरू किया। हादसे की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंचने लगे। अस्पताल में कुछ समय के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई।

कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त ने गणेश विसर्जन के लिये चलित वाहनों को हरी झण्डी दिखाई

ग्वालियर(ए.)। ग्वालियर में गणेश उत्सव के दौरान घरों में एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष प्रशासन एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से चलित वाहन संचालित कर वाहनों में गंगाजलयुक्त जल की टंकियां स्थापित कर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कराया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी जिला प्रशासन, नगर निगम एवं वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान के माध्यम से 25 वाहन संचालित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी, वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान के प्रमुख भूपेन्द्र जैन, अपर आयुक्त नगर निगम मुनीष सिकरवार, प्रदीप तोमर सहित विभागीय अधिकारी और सामाजिक संस्था के कार्यकर्ता की उपस्थिति में वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने किया डुंगरिया में जलसमूह परियोजना का निरीक्षण

जबलपुर(ए.),। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बरगी बांध रोड स्थित ग्राम डुंगरिया में मध्य प्रदेश जल निगम द्वारा संचालित पड़वार-पड़रिया मल्टी विलेज पेयजल योजना के तहत किए जा रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत भी उपस्थित थे। इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह बरगी बांध पहुंचे और बैकवाटर एवं जलभराव क्षेत्र में पड़वार-पड़रिया मल्टी विलेज पेयजल योजना के तहत निर्माणाधीन इंटेक वेल तथा उससे जुड़ी जल संरचनाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से इन संरचनाओं के निर्माण और परियोजना की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जल निगम एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा-संकल्प अभियान के तहत 22 दल के सदस्यों ने ग्वालियर के विभिन्न स्थानों का किया भ्रमण

ग्वालियर(ए.)। सेवा-संकल्प अभियान के तहत बड़नगर-वाराणसी बाइक रैली के सदस्य ग्वालियर के विभिन्न स्थानों का अवलोकन करने के साथ-साथ आम नागरिकों और शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से चर्चा कर रहे हैं।

बाइक यात्रियों ने ग्वालियर के नीम पर्वत पहुँचकर स्वच्छता के लिये श्रमदान किया और नागरिकों से संवाद भी किया। ग्वालियर में बाइक यात्रियों का जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों व आम नागरिकों ने स्वागत किया और उनसे विचार-विमर्श किया। बाइक यात्री नीम पर्वत के पश्चात घाटीगांव विकासखंड के बरई पहुँचे और ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से मिले तथा उनसे विस्तार से संवाद किया। बाइक यात्रियों द्वारा ग्वालियर में पर्यटन एवं पुरातत्व महत्व के ग्वालियर दुर्ग (किला) पर भी पहुँचे और ऐतिहासिक किले का अवलोकन किया।

शादी से मना किया तो इंस्टाग्राम फ्रेंड ने चाकू मारकर किया लहूलुहान, कान पकड़कर पुलिस से माफी मांगते नजर आया सूरज

सतना(ए.),। मध्य प्रदेश के सतना में सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के धवारी तिराहे के पास गुरुवार सुबह एक महिला पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सूरज जाटव के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई एक्टिवा भी जब्त कर ली है। प्रारंभिक जांच में महिला और आरोपी के बीच शादी को लेकर विवाद की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, महिला गुरुवार सुबह करीब 10 बजे धवारी तिराहे के पास पैदल जा रही थी। इसी दौरान आरोपी सूरज जाटव एक्टिवा से वहां पहुंचा। आरोप है कि उसने पीछे से महिला की कमर के ऊपर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से महिला घायल होकर गिर पड़ी, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया। आरोपी से एक्टिवा से सागर से सतना तक पहुंचा था। पुलिस ने आरोपी तक पहुंचने के लिए धवारी तिराहे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में वारदात से पहले और बाद की गतिविधियों के आधार पर पुलिस को आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके बाद पुलिस ने तलाश करते हुए सूरज जाटव को पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा भी जब्त की है। पुलिस को दिए बयान में महिला ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2016 में हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। पति की मौत के बाद वह बच्चों के साथ रह रही है। महिला के मुताबिक वर्ष 2024 में वह एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में शामिल होने सागर गई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात सूरज जाटव से हुई थी। बाद में दोनों के बीच इंस्टाग्राम के माध्यम से बातचीत शुरू हो गई।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय जी.सी.एफ. क्रमांक-1 में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

जबलपुर (ए.),। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के तत्वावधान में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, जी.सी.एफ. क्रमांक-1, जबलपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न कानूनी प्रावधानों, नागरिक अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में सिविल जज सुश्री सिमरन गुप्ता, सुश्री अपर्णा सोनी एवं सुश्री ऋतु प्रजापति द्वारा विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण विधिक विषयों एवं दैनंदिन जीवन में उपयोगी कानूनों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के विषय में मार्गदर्शन देते हुए सिविल जज सुश्री ऋतु प्रजापति ने हेलमेट एवं सीट बेल्ट के नियमित प्रयोग, यातायात संकेतों के पालन तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों की प्रतिबद्धता स्वयं तथा दूसरों के जीवन की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है।इसी क्रम में सिविल जज सुश्री अपर्णा सोनी ने साइबर लॉ एवं ऑनलाइन सुरक्षा के संबंध में विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर बुलिंग, डिजिटल धोखाधड़ी, संदेहास्पद लिंक्स, ओटीपी व पासवर्ड की गोपनीयता बनाए रखने तथा सोशल मीडिया के विवेकपूर्ण एवं सुरक्षित उपयोग के संबंध में सजग किया।

व्यापार समाचार

आयुष्मान भारत योजना के तहत 13 करोड़ से ज्यादा लोगों का इलाज

नई दिल्ली (ए.),। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ सुनील कुमार बरनवाल ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) ने 13 करोड़ से ज्यादा इलाज दिए हैं और 48 करोड़ से ज्यादा कार्ड बनाए हैं। उन्होंने बताया कि एआई पर आधारित फ्रॉड डिटेक्शन और बढ़े हुए डिजिटल स्वास्थ्य सुविधा प्लेटफॉर्म इस स्कीम को मजबूत कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ सुनील कुमार बरनवाल ने कहा, भारत में बनी वस्तुओं की कीमत कम हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनकी गुणवत्ता खराब है। उन्होंने बताया कि उनका पैकेज एक बंडल पैकेज है, जिसमें प्रक्रिया, दवा और कंज्यूमेबल समेत सभी खर्च शामिल होते हैं। अलग से इस्तेमाल होने वाली चीजों के लिए अलग से भुगतान नहीं किया जाता और न ही कोई अलग रेट तय है। हालांकि, क्लेम के दौरान इस्तेमाल किए गए इम्प्लांट की पूरी जानकारी जरूर ली जाती है।

उन्होंने आगे बताया कि इम्प्लांट का बिल और बारकोड लिया जाता है और आईटी सिस्टम यह भी जांचता है कि यदि एक से ज्यादा इम्प्लांट का इस्तेमाल हुआ है तो उसे संदिग्ध मानकर आगे की प्रक्रिया शुरू की जाती है। सुनील कुमार ने आगे कहा कि पिछले 8 साल में अब तक 48 करोड़ से ज्यादा कार्ड बन चुके हैं और यह कार्ड उन्हें गारंटी देता है कि परिवार में 5 लाख तक का इलाज मुफ्त होगा। इस योजना के तहत करीब 2000 प्रक्रियाएं शामिल हैं।

आईआरडीएआई के प्रस्तावित नए नियमों से देश में बदल जाएगा पूरा इंश्योरेंस इकोसिस्टम, ग्राहकों को होगा फायदा

नई दिल्ली (ए.),। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की ओर से प्रस्तावित नए नियमों से देश के इंश्योरेंस इकोसिस्टम में बड़ा संरचनात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है और इससे इंश्योरेंस इंडस्ट्री में प्रोडक्ट के मुताबिक कमीशन कैप की नई व्यवस्था लागू हो सकती है। यह बयान एक्सपर्ट्स की ओर से दिया गया।

इंश्योरेंस रेगुलेटर ने इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में बड़े सुधारों का प्रस्ताव दिया है। इसमें एक आसान तीन-स्तरीय ढांचा शामिल है, जिसका उद्देश्य पॉलिसीहोल्डर्स के लिए लागत कम करना, पारदर्शिता बढ़ाना और बड़े पैमाने पर गलत तरीके से पॉलिसी बेचने के खिलाफ सुरक्षा को मजबूत करना है। जानकारों के मुताबिक, इस कदम से निश्चित रूप से ग्राहकों को फायदा होगा, लेकिन इससे बैंक-एश्योरेंस पार्टनर और एनबीएफसी जैसे डिस्ट्रीब्यूटर्स के मार्जिन पर तुरंत दबाव भी पड़ेगा। डेलॉइट इंडिया के पार्टनर देबाशीष बनर्जी ने कहा, आखिरकार, इस प्रस्ताव का मकसद डिजिटल तरीकों को अपनाना, पॉलिसी को लंबे समय तक बनाए रखना और एक ऐसा मार्केट बनाना है जो टिकाऊ हो और ग्राहकों को प्राथमिकता दे। जैसा कि कहा जाता है, जरूरत ही आविष्कार की जननी है, और ये बदलाव कंपनियों को नए तरीके सोचने और अपनाने के लिए मजबूर करेंगे। बीमा वितरण के अर्थशास्त्र को फिर से तय करने पर आईआरडीएआई के कंसल्टेशन पेपर में नए वाहनों के मोटर इंश्योरेंस के लिए कमीशन या भुगतान की सीमा तय करने का प्रस्ताव है। इसके तहत थर्ड-पार्टी प्रीमियम के लिए यह भुगतान शून्य और खुद के नुकसान व उससे जुड़े कवर के लिए 5 प्रतिशत रखने का सुझाव दिया गया है। इससे टेक्नोलॉजी, जागरूकता और उससे जुड़े खर्च भी कमीशन की सीमा के दायरे में आ जाएंगे, और मौजूदा मोटर इंश्योरेंस सर्विस प्रोवाइडर (एमआईएसपी) सिस्टम की जगह एक व्यापक इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन एंटिटी (आईडीई) सिस्टम ले लेगा। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की पार्टनर शैलजा लाल ने कहा, इन बदलावों का ऑटोमोबाइल डीलरों, ओईएम से जुड़े ब्रोकर्स, इंश्योरेंस कंपनियों और मोटर इंश्योरेंस बेचने वाले अन्य लोगों पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार क्रय शक्ति समता के आधार पर करीब 20 ट्रिलियन डॉलर : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (ए.),। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार क्रय शक्ति समता के आधार पर करीब 20 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंच गया है, जो इसे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाते हैं। यह बयान वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिया।

क्रय शक्ति समता (पीपीपी) मुद्रा बदलने की वे दरें हैं जिनका उद्देश्य अलग-अलग देशों में कीमतों के स्तर के अंतर को खत्म करके अलग-अलग मुद्रा की खरीदने की क्षमता को बराबर करना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ेगा, इन उपायों के बीच का अंतर कम होता जाएगा।

खास बात यह है कि व्यापार वार्ता को लेकर भारत का नजरिया देश की बदलती आर्थिक स्थिति और वैश्विक बाजारों के साथ जुड़ाव को मजबूत करने के उसके लक्ष्य को दर्शाता है।

उन्होंने सामान, सेवाओं, पर्यटकों, शिक्षण संस्थानों और खेलों के आसानी से आवागमन के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी की संभावनाओं पर जोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी 13वें 'पीएएफआई एनुअल फोरम 2026' में बोलते हुए, गोयल ने कहा कि भारत ऐसी

अर्थव्यवस्था के तौर पर व्यापार और आर्थिक साझेदारी के लिए बातचीत कर रहा है, जिसके 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। अभी चल रही बातचीत में कनाडा, चिली, पेरू, सदर्न अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू), मेक्सिको, मालदीव, यूरेशिया, मध्य एशिया, रूस, गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) और इजरायल के साथ बातचीत शामिल है। इन बातचीत का मकसद भारत के लिए ग्लोबल वैल्यू चेन और सप्लाई चेन में शामिल होने के मौके बढ़ाना और सामान व सेवाओं के आवागमन को आसान बनाना है। इस बीच, अगले पांच सालों में भारत में सेमीकंडक्टर की सालाना खपत की मांग बढ़कर 150 अरब डॉलर से ज्यादा होने की उम्मीद है। गोयल ने एआई इकोसिस्टम में क्षमताएं विकसित करने की जरूरत पर भी जोर दिया, जिसमें बड़े लैंग्वेज मॉडल और एजेंटिक मॉडल शामिल हैं। अब ध्यान इनोवेशन और डीप-टेक इकोसिस्टम में भारतीय स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने पर है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत प्राइवेट सेक्टर द्वारा अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाला तीसरा देश बन गया है। इसके अलावा, भारत की युवा आबादी ग्लोबल घटनाक्रमों और अवसरों के बारे में तेजी से जागरूक हो रही है। उन्होंने युवाओं की अपने भविष्य के बारे में सही फैसले लेने की क्षमता पर भरोसा जताया। मंत्री ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की ग्रोथ का भी जिक्र किया।

मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला; सेंसेक्स 73,700 के करीब

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मार्केट के कारोबारी सत्र में हल्की मजबूती के साथ खुला। सुबह 9:17 पर सेंसेक्स 151 अंक या 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,725 और निफ्टी 26 अंक या 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,091 पर था।

शुरुआती कारोबार में सूचकांकों में भी मिलाजुला कारोबार हो रहा था। निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी मीडिया भी हरे निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी कमोडिटीज लाल निशान में थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप भी हल्की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 10 अंक की मजबूती के साथ 61,001 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 5 अंक की मामूली तेजी के साथ 19,688 पर था।

सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, एक्सिस बैंक, एमएंडएम, पावर ग्रिड, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक और टाइटन गेनर्स थे। इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचयूएल, इटरनल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, सन फार्मा, ट्रेंट और आईटीसी लूजर्स थे।

IRDAI के प्रस्तावित नए नियमों से देश में बदल जाएगा पूरा इंश्योरेंस इकोसिस्टम, ग्राहकों को होगा फायदा

नई दिल्ली(ए.)। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की ओर से प्रस्तावित नए नियमों से देश के इंश्योरेंस इकोसिस्टम में बड़ा संरचनात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है और इससे इंश्योरेंस इंडस्ट्री में प्रोडक्ट के मुताबिक कमीशन कैप की नई व्यवस्था लागू हो सकती है। यह बयान एक्सपर्ट्स की ओर से दिया गया। इंश्योरेंस रेगुलेटर ने इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में बड़े सुधारों का प्रस्ताव दिया है। इसमें एक आसान तीन-स्तरीय ढांचा शामिल है, जिसका उद्देश्य पॉलिसीहोल्डर्स के लिए लागत कम करना, पारदर्शिता बढ़ाना और बड़े पैमाने पर गलत तरीके से पॉलिसी बेचने के खिलाफ सुरक्षा को मजबूत करना है।जानकारों के मुताबिक, इस कदम से निश्चित रूप से ग्राहकों को फायदा होगा, लेकिन इससे बैंक-एश्योरेंस पार्टनर और एनबीएफसी जैसे डिस्ट्रीब्यूटर्स के मार्जिन पर तुरंत दबाव भी पड़ेगा। डेलॉइट इंडिया के पार्टनर देबाशीष बनर्जी ने कहा, आखिरकार, इस प्रस्ताव का मकसद डिजिटल तरीकों को अपनाना, पॉलिसी को लंबे समय तक बनाए रखना और एक ऐसा मार्केट बनाना है जो टिकाऊ हो और ग्राहकों को प्राथमिकता दे। जैसा कि कहा जाता है, 'जरूरत ही आविष्कार की जननी है', और ये बदलाव कंपनियों को नए तरीके सोचने और अपनाने के लिए मजबूर करेंगे।'बीमा वितरण के अर्थशास्त्र को फिर से तय करने' पर आईआरडीएआई के कंसल्टेशन पेपर में नए वाहनों के मोटर इंश्योरेंस के लिए कमीशन या भुगतान की सीमा तय करने का प्रस्ताव है। इसके तहत थर्ड-पार्टी प्रीमियम के लिए यह भुगतान शून्य और खुद के नुकसान व उससे जुड़े कवर के लिए 5 प्रतिशत रखने का सुझाव दिया गया है।

इससे "टेक्नोलॉजी, जागरूकता और उससे जुड़े खर्च" भी कमीशन की सीमा के दायरे में आ जाएंगे, और मौजूदा मोटर इंश्योरेंस सर्विस प्रोवाइडर (एमआईएसपी) सिस्टम की जगह एक व्यापक इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन एंटिटी (आईडीई) सिस्टम ले लेगा।शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की पार्टनर शैलजा लाल ने कहा, "इन बदलावों का ऑटोमोबाइल डीलरों, ओईएम से जुड़े ब्रोकर्स, इंश्योरेंस कंपनियों और मोटर इंश्योरेंस बेचने वाले अन्य लोगों पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा। नई गाड़ियों की पॉलिसी से होने वाली शुरुआती कमाई कम होने और डीलर से जुड़े समझौतों के कड़े होने से, डिस्ट्रीब्यूशन मार्जिन और कम हो सकता है।"

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विश्व जनमत की स्वीकृति

भारत के अभिन्न अंगों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद सरकार को यह बताना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया?

सोलहवीं सदी से इस्तेमाल हो रहे मर्केटर मानचित्र को बदलने के प्रस्ताव का संयुक्त राष्ट्र में समर्थन कर भारत ने उचित रुख अपनाया। पुराना नक्शा जाहिरा तौर पर औपनिवेशिक नजरिए से तैयार किया गया था, जिसे बदलना विश्व बहुमत की जीत समझा जाएगा। यह बात संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान में भी जाहिर हुई, जहां सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। आम तौर पर उसके पीछे चलने वाले छह देशों ने तटस्थ रुख अपनाया, जबकि भारत सहित 164 देशों ने मानचित्र बदलने का समर्थन किया। अत: बाद में जो हुआ, उसे नए नक्शे के समर्थन के भारत सरकार के फैसले से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह बेशक गहरे अफसोस की बात है कि बाद में संयुक्त राष्ट्र ने जो विश्व मानचित्र जारी किया, उसमें भारत की प्रादेशिक अखंडता का ख्याल नहीं रखा गया।

इसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान और चीन के साथ विवादित हिस्से के रूप में दिखाया गया है। उचित ही भारत सरकार ने उस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उसने स्पष्ट कहा है कि ऐसा कोई भी चित्रण, जो आधिकारिक भारतीय नक्शे से मेल नहीं खाता, वह पूर्णत: अमान्य और अस्वीकार्य है। भारतीय विदेश मंत्रालय दो-टूक कहा है कि भारत की प्रादेशिक अखंडता और संप्रभुता पर कोई बातचीत नहीं हो सकती। भारत के अभिन्न अंगों को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। बहरहाल, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद भारत सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया? भारत के जिन इलाकों पर पाकिस्तान और चीन की निगाहें रही हैं, आखिर उनके बारे में विश्व समुदाय का बहुमत क्या सोचता है? हालांकि किसी बाहरी ताकत की सोच अपनी प्रादेशिक अखंडता की रक्षा करने के भारतीय आवाम के इरादे को नहीं डिगा सकती, फिर भी दुनिया में सम्मानित राष्ट्र के रूप खड़े रहने के लिए अपने पक्ष को विश्व जनमत की स्वीकृति दिलाना भी अनिवार्य है। इस बिंदु पर दुनिया में भारत की क्या स्थिति है, इस बारे में देशवासियों को भरोसे में लिया जाना चाहिए।

पक्के आशियानों से संवर रही जिंदगी, खुशहाल जीवन का मिला नया आधार

हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना ऐसा घर हो, जहां परिवार सुरक्षित वातावरण में रह सके और मौसम की चुनौतियों की चिंता न हो। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इस सपने को पूरा करने में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आवास निर्माण के लिए सहायता मिल रही है, जिससे कच्चे और असुरक्षित मकानों से निकलकर अनेक परिवार अपने पक्के आशियाने में पहुंच रहे हैं।

शहरों में योजना से लाभान्वित परिवारों के अनुभव बताते हैं कि पक्का मकान मिलने से उनके रहन-सहन में सकारात्मक बदलाव आया है। कोरबा के पोड़ीबहार निवासी आनंद राम लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहे थे। बारिश के दिनों में टपकती छत, सीलन और जहरीले जीव-जंतुओं का डर परिवार की परेशानी बढ़ाता था। आवास स्वीकृत होने और किश्तों में सहायता प्राप्त होने के बाद उन्होंने निर्माण शुरू किया। आज उनका पक्का घर परिवार को सुरक्षा और सुकून दे रहा है। वे इसे अपने परिवार के बेहतर भविष्य की नींव बताते हैं।कोसाबाड़ी की श्रीमती ललिता रजक ने भी बरसों से पक्के घर का सपना संजोया था। खराब आर्थिक परिस्थितियों के कारण मकान निर्माण कठिन था। योजना के सहयोग से उनका यह सपना पूरा हुआ और परिवार को स्थायी आवास के साथ सुरक्षा, सुविधा एवं आत्मविश्वास का अनुभव मिला। वे अपने पक्के घर को परिवार की खुशियों और सुरक्षित भविष्य का आधार मानती हैं।काशीनगर निवासी श्रीमती गुंजा साहू का परिवार भी लंबे समय तक कच्चे मकान में रहा। बारिश के दौरान पानी टपकने और सीलन की समस्या के साथ सांप-बिच्छुओं का डर बना रहता था। पीएम आवास (शहरी) 2.0 के तहत उन्हें तीन किश्तों में लगभग 2.50 लाख रुपये की सहायता मिली। अपनी बचत राशि के साथ उन्होंने पक्के मकान का निर्माण पूरा किया। आज उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में सुकून से रह रहा है।छुरीकला नगर पंचायत के सुनील कुमार तिवारी के परिवार की कहानी भी आवास योजना से आए बदलाव को सामने रखती है। वे मिट्टी से बने दो कमरों के मकान में पत्नी और बेटी के साथ रहते थे। सीमित आय के बीच पक्का मकान बनाना कठिन था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2.26 लाख रुपये की स्वीकृत लागत में केंद्रांश और राज्यांश की सहायता प्राप्त हुई, जिसके बाद उनका पक्का घर तैयार हुआ।

अमेरिका की डगमगाती, अस्थिर आर्थिक और विदेश नीति।

संजीव ठाकुर,

डोनाल्ड ट्रंप ध्रुवीकरण वाले राष्ट्रपति।

ऐतिहासिक तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपतियों का कार्यकाल 1789 से शुरू होता है।अमेरिकी राष्ट्रपतियों के इतिहास में जॉर्ज वॉशिंगटन से लेकर अब तक अनेक ऐसे राष्ट्रपति हुए जिनके निर्णयों ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, युद्ध, लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था की दिशा बदल दी। क्या डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी इतिहास का सबसे असंतुलित और असमंजसपूर्ण निर्णय लेने वाला राष्ट्रपति कहा जा सकता है? इसका सही सही कारण भावनात्मक राजनीतिक टिप्पणी से नहीं, बल्कि इतिहास के दस्तावेजों, आर्थिक परिणामों, विदेश नीति और राष्ट्रपति के निर्णयों की निरंतरता के आधार पर तलाशना होगा।वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 45वें और 47वें राष्ट्रपति हैं। उनके दो कार्यकाल लगातार नहीं रहे, इसलिए राष्ट्रपति पद की संख्या 47 है, जबकि अलग-अलग व्यक्तियों की संख्या 45 रही है। इसकी वजह 22वें राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड हैं, जिन्होंने दो अलग अलग लगातार कार्यकाल पूरे किए और इसीलिए उन्हें 22वें तथा 24वें राष्ट्रपति के रूप में गिना जाता है।डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व अमेरिकी राष्ट्रपति पद की पारंपरिक शैली से अलग रहा है। उनका राजनीतिक उदय भी पारंपरिक प्रशासनिक या सैन्य पृष्ठभूमि से नहीं, बल्कि व्यवसाय और सार्वजनिक संचार की आक्रामक शैली से हुआ। 2017 में उनके पहले कार्यकाल की शुरुआत से ही अमेरिका फर्स्ट उनकी विदेश और आर्थिक नीति का प्रमुख सूत्र बना। व्यापार, आव्रजन, नाटो, चीन, ईरान, रूस और यूरोप के साथ संबंधों में उन्होंने लंबे समय से चली आ रही अमेरिकी नीतियों को चुनौती दी। उनके समर्थक इसे स्थापित व्यवस्था के विरुद्ध निर्णायक नेतृत्व मानते रहे, जबकि आलोचक इसे नीति-अनिश्चितता और संस्थागत परंपराओं से टकराव के रूप में देखते रहे।आर्थिक नीति के क्षेत्र में ट्रंप के पहले कार्यकाल का महत्वपूर्ण पक्ष 2017 का टैक्स कट एन्ड जॉब्स एक्ट था। उनके प्रशासन ने कॉरपोरेट टैक्स में बड़ी कटौती की और विनियमन कम करने को आर्थिक विकास का साधन बनाया। प्रशासन की अपनी आधिकारिक व्याख्या में इन नीतियों को रोजगार, निवेश और आर्थिक विस्तार से जोड़ा गया है। लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था को केवल राष्ट्रपति की नीतियों का परिणाम मानना भी ऐतिहासिक रूप से सही नहीं होगा। ब्याज दरें, फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, वैश्विक व्यापार, तकनीकी परिवर्तन और महामारी जैसे कारक भी आर्थिक परिणामों को प्रभावित करते हैं।

ट्रंप की आर्थिक नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू संरक्षणवाद रहा। चीन के साथ व्यापार युद्ध ने अमेरिकी आर्थिक नीति को दशकों की मुक्त व्यापार-प्रधान दिशा से हटाकर शुल्क आधारित रणनीति की ओर मोड़ा कौंसिल आन फॉरेन रीलेसन के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल में चीन के लगभग आधे आयात पर शुल्क लगाए और चीन ने अमेरिकी आयात के बड़े हिस्से पर जवाबी शुल्क लगाए। समर्थकों के

अनुसार इसका उद्देश्य अमेरिकी उद्योग और रोजगार की रक्षा करना था।आलोचकों ने इसके कारण लागत बढ़ने, आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और व्यापारिक तनाव बढ़ने की ओर ध्यान दिलाया।

उनकी दूसरी पारी में यह नीति और अधिक व्यापक हुई। 2025 और 2026 में चीन के साथ शुल्क युद्ध कई चरणों से गुजरा। 2025 में अमेरिकी और चीनी शुल्कों में तीव्र वृद्धि के बाद बातचीत और अस्थायी समझौतों के दौर आए। सितंबर 2026 तक दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में तनाव और अस्थायी समझौते साथ-साथ चल रहे हैं। इससे ट्रंप की नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता दिखाई देती है टकराव और समझौता दोनों उनके वार्ताकार उपकरणों का हिस्सा हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करते समय भी सावधानी आवश्यक है। जुलाई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक G D P 2.1 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ी, बेरोजगारी जून में 4.2 प्रतिशत रही और मुद्रास्फीति फेड के 2 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर थी। फेड ने यह भी कहा कि ऊर्जा कीमतों और व्यापार शुल्कों सहित आपूर्ति संबंधी झटकों ने कीमतों पर दबाव डाला। इसलिए वर्तमान आर्थिक आंकड़ों से न तो ट्रंप की आर्थिक नीति को पूरी तरह सफल कहा जा सकता है और न पूरी तरह असफल।

अमेरिकी राष्ट्रपति इतिहास में आर्थिक दृष्टि से विभिन्न कालखंडों की परिस्थितियां अलग रही हैं। फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने महामंदी के दौरान न्यू डील के माध्यम से अमेरिकी राज्य की आर्थिक भूमिका को व्यापक रूप से बदला। रोनाल्ड रीगन ने 1980 के दशक में कर कटौती, विनियमन और सैन्य शक्ति के विस्तार की नीति अपनाई। बिल क्लिंटन के कार्यकाल में 1990 के दशक का तकनीकी और आर्थिक विस्तार आया।

बराक ओबामा ने 2008 की वित्तीय मंदी के बाद अर्थव्यवस्था को पुनर्प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ाया। इनमें से प्रत्येक राष्ट्रपति की आर्थिक विरासत को समझने के लिए उस समय की वैश्विक परिस्थितियों को भी देखना पड़ता है। विदेश नीति के क्षेत्र में अमेरिकी इतिहास और भी जटिल है। हैरी ट्रूमैन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उभरती शीतयुद्ध व्यवस्था में नाटो और अमेरिकी वैश्विक भूमिका की बुनियादी दिशा तय की। हेनरी ट्रूमैन की विदेश नीति ने बीसवीं सदी के उत्तरार्ध की अमेरिकी विदेश नीति के कई मूलभूत सिद्धांतों और प्रतिबद्धताओं की नींव रखी। ड्वाइट आइजनहावर का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कोरियाई युद्ध को समाप्त करने के लिए प्रयास किए और ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति विकसित की जिसमें सैन्य शक्ति के साथ आर्थिक क्षमता और गठबंधनों को महत्व दिया गया मिलर सेंटर के इतिहासकारों के अनुसार आइजनहावर की प्रतिष्ठा समय के साथ काफी बदली और बाद के ऐतिहासिक अध्ययनों में उनका मूल्यांकन पहले की तुलना में अधिक सकारात्मक हुआ।

रिचर्ड निक्सन का उदाहरण है कि कोई राष्ट्रपति एक साथ सफल और विवादास्पद दोनों हो सकता है। चीन के साथ संबंधों की शुरुआत और सोवियत संघ के साथ हथियार नियंत्रण समझौते उनकी महत्वपूर्ण विदेश नीति उपलब्धियां थीं, जबकि वॉटर गेट कांड ने उनकी राष्ट्रपति विरासत को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

रोनाल्ड रीगन की विदेश नीति को भी इसी द्वंद्व के साथ देखना चाहिए। उनके कार्यकाल में अमेरिकी सैन्य शक्ति बढ़ी और सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव के साथ संवाद ने शीतयुद्ध के शांतिपूर्ण अंत की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन उनके कार्यकाल में ईरान विवाद जैसे गंभीर मसले भी सामने आए।

इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में ट्रंप को देखें तो उनकी विदेश नीति में भी कुछ उपलब्धियां और गंभीर विवाद दोनों दिखाई देते हैं। पहले कार्यकाल में इजराइल-अरब संबंधों में अब्राहम अकॉर्ड एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल थी। उत्तर कोरिया के साथ सीधे शिखर संवाद, चीन के साथ व्यापार वार्ता और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नीति में परिवर्तन भी उनके कार्यकाल की प्रमुख घटनाएं थीं। दूसरी ओर, ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका की वापसी, सहयोगी देशों के साथ तनाव और चीन के साथ व्यापार युद्ध ने अमेरिकी विदेश नीति में अनिश्चितता की धारणा को बढ़ाया।दूसरे कार्यकाल में यह प्रश्न और अधिक गंभीर हुआ है। 2026 में ईरान के साथ युद्ध, यूक्रेन और गाजा जैसे प्रश्नों का अनसुलझा रहना तथा चीन के साथ व्यापार तनाव ने अमेरिकी विदेश नीति को अत्यधिक सक्रिय और विवादास्पद बनाए रखा है। अगस्त 2026 की राइटर रिपोर्ट ने ट्रंप के शांतिदूत एजेंडे और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संकटों के बीच अंतर को रेखांकित किया था।

बस्तर में बदलाव के वाहक पीएम मोदी

किरण सिंह देव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प की प्रेरक यात्रा है। लोक कल्याण की उनकी अहर्निश यात्रा अन्त्योदय को समर्पित है। यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित प्रत्येक नीति के केन्द्र में गरीब, किसान, महिला, युवा और विशेष रूप से जनजातीय समाज होता है।

छत्तीसगढ़ के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष आत्मीय जुड़ाव रहा है। श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के जीवन स्तर को गुणवत्ता प्रदान की है।

इस बदलाव की सबसे सुन्दर तस्वीर बस्तर में दिखाई देती है। बस्तर प्राकृतिक सम्पदा, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश लोगों की धरती है। लम्बे समय तक नक्सल हिंसा के कारण इस क्षेत्र की संभावनाएँ पूरी तरह सामने नहीं आ पाईं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा और विकास को साथ लेकर चलने की नीति ने परिस्थितियाँ बदली हैं। आज जिन इलाकों में शासन-प्रशासन का पहुँचना कठिन था, वहाँ सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, स्कूल, अस्पताल और सरकारी योजनाएँ पहुँच रही हैं।

कनेक्टिविटी इस बदलाव का मजबूत आधार बनी है। बस्तर क्षेत्र में 3,240 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है और 889 मोबाइल टॉवर लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 234 बसाहटों को जोड़ने के लिए 228 सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिली है।

सड़क केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ती, वह लोगों को अवसरों से जोड़ती है। सड़क पहुँचती है तो बाजार पहुँचता है, एम्बुलेंस पहुँचती है, शिक्षक पहुँचते हैं और रोजगार के नए रास्ते खुलते हैं। जिन रास्तों पर कभी नक्सली बारूद बिछाते थे, आज उन्हीं रास्तों पर विकास की गाड़ी चल रही है।शिक्षा के क्षेत्र में भी बस्तर तेसे आगे बढ़ रहा है। नक्सल हिंसा के कारण बंद पड़े 421 स्कूलों को फिर से खोला गया है। अबूझमाड़ और जगरगुण्डा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित करने के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हमारा प्रयास है कि बस्तर के बच्चों को अपने क्षेत्र में ही अच्छी शिक्षा, आवासीय सुविधा और आगे बढ़ने का बेहतर वातावरण मिले।युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बस्तर के सभी 32 विकासखण्डों में कौशल विकास केन्द्र प्रारम्भ किए गए हैं। बस्तर ओलम्पिक ने गाँव और जनजातीय अंचलों की खेल प्रतिभाओं को बड़ा मंच दिया है। बस्तर पण्डुम ने यहाँ की संस्कृति, लोककला, परम्परा और जनजातीय गौरव को नई पहचान दी है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने बस्तर पण्डुम की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और स्थानीय समुदायों के सशक्तीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताया है।स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलाव साफ दिखाई देता है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत 34 लाख से अधिक स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार की गई है। दूरस्थ क्षेत्रों में उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से सेवाएँ पहुँचाई जा रही हैं। जगदलपुर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शुरू हुआ है और गीदम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाएँ समावेशी बनी हैं। हमारे वैचारिक अधिष्ठान के प्रणेता श्रद्धेय दीनदयाल उपाध्याय कहते थे कि राजनीति का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास होना चाहिए। देश के प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी ने अन्त्योदय की विचारधारा को साकार रूप दिया है। उनके विजन पर चलते छत्तीसगढ़ सरकार ने नियद नेल्लानार योजना के जरिए बस्तर समेत छत्तीसगढ़ के सबसे दुर्गम गाँवों तक विकास का उजाला पहुँचाया है। सुरक्षा शिविरों के 10 किलोमीटर के दायरे के 525 गाँवों में शासन के 17 विभागों की 43 हितग्राहीमूलक और सामुदायिक योजनाओं के माध्यम से लोगों को सुविधाओं से जोड़ा गया। एक महत्वपूर्ण बदलाव यह भी है कि सुरक्षा शिविरों को शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केन्द्रों से स्वास्थ्य, बैंकिंग, कृषि सहायता, कौशल विकास, आजीविका और दूसरी नागरिक सेवाएँ लोगों के नजदीक पहुँच रही हैं। छत्तीसगढ़ के विकास का अगला बड़ा आधार उसकी वन सम्पदा है। इमली, महुआ, सालबीज, चिरौंऔर अनेक वनौषधियाँ यहाँ के जनजातीय परिवारों की आजीविका से जुड़ी हैं। बस्तर और सरगुजा में कृषि एवं वन आधारित प्रसंस्करण इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बस्तर की दूसरी बड़ी ताकत पर्यटन है। चित्रकोट और तीरथगढ़ के जलप्रपात, कांगेर घाटी, घने जंगल, गुफाएँ और अनूठी जनजातीय संस्कृति इसे प्रकृति और संस्कृति आधारित पर्यटन के लिए विशिष्ट बनाते हैं। इको पर्यटन और स्थानीय होमस्टे को बढ़ावा देकर पर्यटन को स्थानीय परिवारों की आय और रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। सिंचाई, बिजली और इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार से भी बस्तर की अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी।आज बस्तर की पहचान बदल रही है। जिस बस्तर की चर्चा कभी हिंसा के कारण होती थी, आज उसकी चर्चा सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, पर्यटन, संस्कृति और आजीविका के लिए हो रही है। वर्ष 2026 के बस्तर पण्डुम के अवसर पर प्रधानमंत्री ने भी बस्तर में शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव की बढ़ती भावना को रेखांकित किया था।

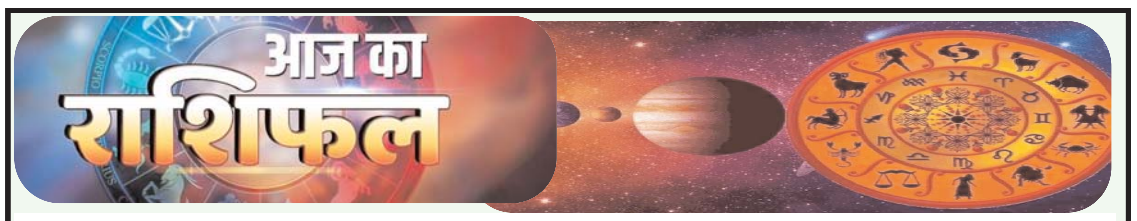

मेष राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज परिवार के साथ समय बितायेंगे। इससे घर में खुशियों का माहौल बनेगा। आज आपकी कड़ी मेहनत से आसपास के लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज रोज की अपेक्षा व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा।

वृष राशि: आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अगर आप नई जमीन लेने का प्लान बना रहे हैं तो घर के बड़ों की राय जरूर ले। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप जीवनसाथी से अपने दिल की बात शेयर करेंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपको किसी बुजुर्ग की सेवा का अवसर मिलेगा, इसे आप सौभाग्य के रूप में समझे। आज आप हर तरह के काम निपटाने के लिए तैयार रहेंगे। आपको सोचे हुए कामों से फायदा हो सकता है। कोशिश करेंगे तो आपको सफलता मिल सकती है।

कर्क राशि: आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़ें लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज आपको रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं।

सिंह राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिन्हें आप बखूबी निभायेंगे। आप जिस काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको कामयाबी मिलेगी। आज आपको मेहनत का फल मिलेगा इससे आपका हौसला बढ़ेगा। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आस-पास के कई लोग आपको सलाह देंगे, इससे गलती से भी आप सुरक्षित रहेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन सामान्य रहेगा। आज आपके सामने चुनौतियां भी आएंगी आप इनका डटकर मुकाबला करेंगे सफलता हासिल होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन थोड़ा सामान्य रहेगा। करियर संबंधी चुनाव आपको थोड़ी परेशानी में डाल सकता है लेकिन सही पॉइंट का चुनाव करना बेहतर रहेगा।

तुला राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं जो कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें ,अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। करियर में उतार-चढ़ाव से आप परेशान हो सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी सीनियर्स की मदद से आपको थोड़ी राहत मिलेगी। आज घर में बच्चों के साथ आपका अच्छा टाइम बीतेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को आज पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। ऑफिस में अच्छे परफॉर्मेंस के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आयेंगे। साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए खुशी मिलेगी। दोस्ती में चल रही अनबन को खत्म करने के लिए आप दोस्ती का हाथ बढ़ा सकते हैं।

मकर राशि: आज का दिन आज ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही खास है। आप दिन का अधिक समय शॉपिंग में बिता सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी कंपनी से मेल आ सकती है। दांपत्य जीवन में आज मधुरता बनी रहेगी।

कुंभ राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को भी खुशी होगी।

मीन राशि: आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज आपको पुरानी बातें भी याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से सामान्य होगी। दांपत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा। अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिलेगी।

विशेष लेख : अबूझमाड़ के बीहड़ों में सेवा संकल्प की अलख : पीएम जनमन एमएमयू बनी अंतिम व्यक्ति की संजीवनी

अबूझमाड़ के बीहड़ों में सेवा संकल्प की अलख

विष्णु प्रसाद वर्मा, संत कच्छप

सघन वन, ऊंचे-नीचे पहाड़ और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों से घिरा छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का अबूझमाड़ अंचल अब बदलाव की एक नई इबारत लिख रहा है। जहाँ कभी अस्पताल पहुंचना ग्रामीणों के लिए एक कठिन चुनौती हुआ करता था, वही आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं उम्मीद की नई किरण बनकर पहुंची हैं। नारायणपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान की मोबाइल मेडिकल यूनिट दूरस्थ वनांचल में रहने वाले आदिवासियों के जीवन में स्वास्थ्य और विश्वास का संचार कर रही है। 01 जनवरी से 07 सितंबर 2026 के बीच पीएम जनमन मोबाइल मेडिकल यूनिट ने नारायणपुर और ओरछा विकासखंड के अत्यंत दूरस्थ गांवों में कुल 315 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए। इस दौरान 7,093 जरूरतमंद ग्रामीणों तक निशुल्क जांच, इलाज और परामर्श की सुविधा पहुंचाई गई, जिनमें 6,944 हितग्राही विशिष्ट रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के शामिल हैं। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि ग्रामीणों को एक ही स्थान पर जांच से लेकर इलाज तक की संपूर्ण सुविधा मिली।

शिविरों के माध्यम से 5,440 डायग्नोस्टिक टेस्ट, 3,744 हाइपरटेंशन स्क्रीनिंग (जिसमें 3,663 पीवीटीजी), 1,685 मलेरिया एवं डेंगू जांच तथा 1,683 डायबिटीज जांच (1,651 पीवीटीजी) संपन्न की गई। इसके साथ ही सिकल सेल की 1,136 जांचों में 1,118 पीवीटीग्रामीण लाभान्वित हुए। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए 1,457 ग्रामीणों की एनीमिया जांच की गई, 1,179 लोगों को आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट दिया गया और 244 गर्भवती महिलाओं को एएनसी सेवाएं प्रदान की गईं। टीबी और नेत्र स्वास्थ्य जांच के अलावा गंभीर स्थिति वाले 39 मरीजों को तत्काल पहचान कर उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया गया। एमएमयू ने अस्पताल और मरीज के बीच की भौगोलिक दूरी को मिटाकर स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे आदिवासियों के घर-द्वार तक पहुँचा दिया है। इससे ग्रामीणों के समय, श्रम और धन की भारी बचत हो रही है तथा बीपी, शुगर और सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर उनका त्वरित इलाज संभव हो पा रहा है।

हड़ताल – सुविधा मांगने का असुविधाजनक तरीका

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

मांग किसी की हो, कीमत अक्सर किसी और को चुकानी पड़ती है। बैंक कर्मचारियों की मांग हो तो बैंक बंद, बस मालिकों की हो तो परिवहन व्यवस्था ठप, ट्रक ऑपरेटरों की हो तो माल ढुलाई ठप, डॉक्टरों की हो तो अस्पतालों की रफ्तार धीमी और शिक्षकों की हो तो पढ़ाई प्रभावित। क्षेत्र अलग, समस्याएं अलग और संगठन अलग, लेकिन हड़ताल की पटकथा लगभग एक—चेतावनी, बंद, वार्ता, आश्वासन और फिर कुछ दिनों की शांति। फिर नया मुद्दा, नई चेतावनी और वही पुराना चक्र। इस सिलसिले का सबसे स्थायी किरदार वही है, जो न कर्मचारी है, न प्रबंधन और न नीति-निर्माता—आम आदमी, जो हर बार बिना मांग किए इसकी कीमत चुकाता है।आठ लाख बैंक कर्मचारी पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पीएलआई योजना की वापसी/संशोधन और पेंशन अपडेशन समेत अन्य लंबित मुद्दों की मांग को लेकर हड़ताल की चेतावनी दे रहे हैं। सवाल इन मांगों से ज्यादा उस व्यवस्था पर है, जो समाधान तक पहुंचने से पहले हड़ताल की स्थिति बना देती है। काम के घंटे, पारिश्रमिक, पेंशन और सेवा-शर्तें कर्मचारियों के महत्वपूर्ण मुद्दे हैं; इन पर बातचीत होना स्वाभाविक है। फिर समाधान हड़ताल तक क्यों पहुंचे? जब यूनियन और प्रबंधन के बीच संस्थागत संवाद का रास्ता मौजूद है, तो बैंक बंद करने की नौबत क्यों आए? और यदि मार्च 2024 में समझौता हो चुका था, तो उसकी अधिसूचना अब तक क्यों नहीं हुई? हर बार हड़ताल की तारीख नजदीक आने पर ही व्यवस्था क्यों जागती है?हड़ताल की घोषणा कर्मचारी करते हैं, लेकिन उसकी तैयारी आम आदमी को करनी पड़ती है। खबर आते ही सलाह—जरूरी लेनदेन निपटा लें, नकदी निकाल लें, चेक जमा कर दें, पेंशन का काम करा लें। यानी व्यवस्था ठप होने का इंतजाम भी नागरिक करे! डिजिटल बैंकिंग बढ़ी है, पर भारत सिर्फ महानगरों की मोबाइल स्क्रीन नहीं। छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में बैंक शाखा आज भी जरूरी है। पेंशनर को काउंटर चाहिए, छोटे व्यापारी को बैंकिंग व्यवस्था और लाखों लोगों के लिए हर काम ऐप से संभव नहीं। तीन दिन बैंक बंद रहना बड़े कारोबारी के लिए असुविधा हो सकता है, लेकिन बुजुर्ग की दवा, दुकानदार का भुगतान या परिवार की जरूरी रकम अटक जाए तो उसकी कीमत बड़ी होती है।

उत्तर प्रदेश में ईएलसी कॉन्फ्रेंस स्थगित होने पर चुनाव आयोग ने दी सफाई, कहा- तारीखों में बदलाव सामान्य प्रक्रिया

नई दिल्ली (ए.)। उत्तर प्रदेश में ईएलसी कॉन्फ्रेंस स्थगित होने को लेकर उठ रहे सवालों पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सफाई दी है। आयोग ने कहा है कि कार्यक्रमों की तारीखों में बदलाव एक सामान्य और लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, जो कई कारणों से जरूरी हो जाती है। ईसीआई ने बताया कि वेन्यू की उपलब्धता, उच्च अधिकारियों के कार्यक्रम और प्राकृतिक कारणों जैसे कई कारणों से तारीखों में बदलाव किया जाता है। आयोग ने कहा कि इससे पहले भी कई बार ईएलसी कॉन्फ्रेंस को स्थगित किया गया है या तारीखें बदली गई हैं, जैसे कि हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड में। आयोग ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश की इन दो कॉन्फ्रेंस को स्थगित करने का फैसला 21 सितंबर को ही लिया गया था। दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मेरठ दौरा 25 सितंबर को प्रस्तावित था। वहीं 28 सितंबर को वाराणसी में कार्यक्रम होना था। इन कार्यक्रमों में युवाओं से संवाद के साथ-साथ चुनावी साक्षरता से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होना था।

बता दें कि उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली ईएलसी कॉन्फ्रेंस यानी चुनावी साक्षरता क्लब सम्मेलन भारत निर्वाचन आयोग की एक विशेष पहल है। इसका मकसद युवा पीढ़ी और छात्रों को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें जागरूक करना है।

चुनाव आयोग युवा नागरिकों में लोकतांत्रिक जागरूकता और चुनावी शिक्षा को मजबूत करने के लिए चुनावी साक्षरता क्लब सम्मेलन (ईएलसी 2.0) और ईसीआईनेट ऐप पर क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है।

गंगा का जलस्तर चेतावनी निशान से नीचे, घाटों पर गाद हटाने की कवायद तेज़, नमो घाट पर होने वाले एयर शो को लेकर नगर निगम मुस्तैद

वाराणसी, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी के निशान से नीचे आ गया है। बाढ़ का पानी उतरने के साथ ही पक्के घाटों की सीढ़ियों और तटवर्ती इलाकों में भारी मात्रा में सिल्ट (गाद) और कीचड़ जमा हो गया है। आगामी 22, 23 और 25 अक्टूबर को नमो घाट पर प्रस्तावित भव्य एयर शो को ध्यान में रखते हुए वाराणसी नगर निगम ने मोर्चा संभाल लिया है। नगर निगम के स्वच्छता अमले ने नमो घाट सहित आसपास के सभी प्रमुख घाटों पर युद्धस्तर पर सिल्ट हटाने, पानी की बौछार से सीढ़ियों को धोने और विशेष सफाई अभियान को गति दे दी है। नमो घाट पर भव्य एयर शो की तैयारियांआयोजन॰ नमो घाट पर 22, 23 और 25 अक्टूबर को एयर शो आयोजित होना तय है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासियों और पर्यटकों के जुटने की उम्मीद है।समयबद्ध अभियान: आयोजन से पूर्व घाटों को पूरी तरह स्वच्छ, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए नगर निगम अतिरिक्त सफाई कर्मियों और जेटिंग मशीनों के साथ लगातार गाद हटाने के काम में जुटा हुआ है।

जयपुर में स्वच्छता अभियान में शामिल हुए नितिन नवीन और भजनलाल शर्मा, सफाई मित्रों को किया सम्मानित

जयपुर,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर में अल्बर्ट हॉल में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। यह अभियान विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत चलाया गया।इस दौरान नितिन नवीन ने लोगों को स्वच्छता ही सेवा की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया और उनसे बातचीत कर उनका हाल जाना। दोनों नेताओं ने पौधे भी लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, इस अवसर पर प्रदेश को स्वच्छ बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया गया। साथ ही, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर हरियालो राजस्थान के संकल्प को और मजबूत किया गया।

उन्होंने कहा, आइए हम सब मिलकर स्वच्छता और हरियाली को जन आंदोलन बनाएं। अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने, प्रकृति की रक्षा करने और स्वच्छ, सुंदर और हरे-भरे राजस्थान के निर्माण में भागीदार बनने का संकल्प लें।

इस कार्यक्रम में राज्यस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौर, शहरी विकास और स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम भी मौजूद रहे।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा और डॉ. अलका गुर्जर, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा और बालमुकुंदाचार्य, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

इससे पहले गुरुवार रात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रस्तावित सेवा संकल्प समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए दादिया का दौरा किया था।

स्थल के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बैठने, पीने के पानी, चिकित्सा सुविधा, बिजली आपूर्ति, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। उन्होंने स्थल पर उचित बैरिकेडिंग, साइनेज और साफ-सफाई की जरूरत पर भी जोर दिया था। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को जरूरी सुरक्षा व्यवस्था करने और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद मदन राठौड़ भी मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान मौजूद थे।

यह सेवा संकल्प समारोह पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के मौके पर जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। दोनों नेता दोपहर 12 बजे दादिया में सेवा संकल्प समारोह में विकास रथों को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद वे दोपहर 2:30 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मानसून की विदाई के साथ ही राजस्थान में गर्मी की वापसी, 6 जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार

जयपुर,(आरएनएस)। राजस्थान से भले ही मानसून विदा ले रहा हो, लेकिन गर्मी जोरदार वापसी कर रही है। राज्य के पश्चिमी हिस्सों में दिन का तापमान बढ़ गया है और छह जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया है।छह जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया। बाड़मेर में राज्य का सबसे अधिक तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया, इसके बाद जैसलमेर में 43.2 डिग्री तापमान रहा। मौसम केंद्र के अनुसार, इन दोनों जिलों में पिछले दस सालों में सितंबर महीने का सबसे अधिक तापमान भी दर्ज किया गया। पश्चिमी राजस्थान में गर्मी का असर अधिक रहा, जहां जोधपुर (41.7), बीकानेर (41.6), चूरू (40.5) और नागौर (40.3) में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया।

बाड़मेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 6.9 डिग्री ज्यादा था, जबकि जैसलमेर में यह सामान्य से 6.1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। जोधपुर में तापमान सामान्य से 5.8 डिग्री और बीकानेर में 4.2 डिग्री ज्यादा रहा।

चूरू में तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। इसके उलट जयपुर में अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य स्तर से कम था।

मौसम विभाग ने बताया कि बाड़मेर और जैसलमेर में गुरुवार को दर्ज किया गया तापमान पिछले 10 सालों में सितंबर महीने के लिए सबसे ज़्यादा था। इस दौरान जैसलमेर में सितंबर का पिछला अधिकतम तापमान 2023 में 43.5 डिग्री था, जबकि बाड़मेर का पिछला अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री था, जो भी 2023 में ही दर्ज किया गया था। वहीं, अगले दो से तीन दिनों तक पूरे राजस्थान में मौसम के मुख्य रूप से शुष्क रहने की उम्मीद है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार, 27 से 29 सितंबर के बीच भरतपुर और जयपुर डिवीजन के कुछ हिस्सों और शेखावाटी क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से बीकानेर डिवीजन में भी 28 और 29 सितंबर को कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इस बीच, उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के पास बन गहरे दबाव अगले 24 घंटों में दक्षिणी ओडिशा और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ सकता है। फिलहाल, पश्चिमी राजस्थान में सितंबर के आखिर में भी तेज गर्मी पड़ रही है, जबकि मानसून की वापसी राज्य में सूखे मौसम की शुरुआत का संकेत दे रही है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ, राजस्थान के जयपुर में बगरू के पास दादिया गांव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर आयोजित निकाय जनप्रतिनिधि सम्मेलन (स्थानीय निकाय प्रतिनिधि सम्मेलन) के दौरान।

पंजाब में पराली जलाने के 27 मामले दर्ज, पटियाला में एक केस पर 5 हजार रुपये जुर्माना

चंडीगढ़,(आरएनएस)। पंजाब में पराली जलाने के मामलों को लेकर पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) ने एटीआर रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट 24 सितंबर 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूरे पंजाब में इस सीजन में अब तक इसरो प्रोटोकॉल के अनुसार पराली जलाने की कुल 27 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें से 21 खेतों का मौके पर निरीक्षण किया गया है और 10 जगहों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई है। बता दें कि इसरो के मानक प्रोटोकॉल के अनुसार, पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं की निगरानी सैटेलाइट्स के माध्यम से की जाती है।

पटियाला जिले की बात करें तो यहां पराली जलाने का एक मामला सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार एक खेत में पराली जलाने की घटना दर्ज हुई और मौके पर निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान उस स्थान पर पराली जलाने की पुष्टि हो गई।

इस मामले में 5,000 रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया है। हालांकि रिपोर्ट में वसूली गई राशि शून्य दर्ज है, यानी अभी तक जुर्माना वसूला नहीं गया है। पटियाला में इस मामले को लेकर एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। साथ ही नोडल या सुपरवाइजरी अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन, चार्जशीट, सस्पेंशन या वार्निंग नोटिस जैसी कोई कार्रवाई भी नहीं हुई है।पीपीसीबी की कुल रिपोर्ट देखें तो, पराली जलाने की कुल घटनाएं 27 हैं। 21 खेतों की निरीक्षण की गई। 10 खेतों में पराली जलाने की पुष्टि हुई। 7 मामलों में पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। जिससे कुल लगाया गया जुर्माना 35,000 रुपए हो गाया।

भाजपा ने 24 संगठन मंत्रियों को राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी, पवन राणा को दिल्ली-हरियाणा और धर्मपाल को यूपी का प्रभार

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए देशभर के विभिन्न राज्यों और संगठनात्मक इकाइयों के लिए 24 संगठन मंत्रियों एवं पदाधिकारियों की नई जिम्मेदारियों का ऐलान किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से जारी सूची में कई राज्यों के प्रदेश प्रभारी, सह-प्रभारी और संगठनात्मक दायित्व तय किए गए हैं। नई नियुक्तियों के तहत पवन राणा को दिल्ली और हरियाणा की संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि धर्मपाल को उत्तर प्रदेश का संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। पार्टी ने शिवप्रकाश को राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) के रूप में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा की जिम्मेदारी दी है। वहीं सौदान सिंह को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल का दायित्व सौंपा गया है। वी. सतीश को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा तथा संसदीय कार्यालय से जुड़े संगठनात्मक कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। राजेंद्र को संगठन और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से जुड़े कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। महाराष्ट्र में अजय जामवाल को प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है और उनका केंद्र मुंबई रहेगा। सतीश धोंड को महाराष्ट्र के साथ चार राज्यों में जनजातीय संपर्क का दायित्व दिया गया है।मधुकर को आंध्र प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है और उनका केंद्र हैदराबाद रहेगा, जबकि दराशय को तेलंगाना का संगठनात्मक दायित्व सौंपा गया है। रविंद्र राजू को असम, त्रिपुरा और कार्यालय निर्माण से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी मिली है। भीखुभाई दलसानिया को बिहार का संगठन मंत्री बनाया गया है और उनका केंद्र पटना रहेगा। पवन साई को झारखंड का दायित्व सौंपा गया है।

बिहार में फिर शर्मसार घटना : मंदार पर्वत पर लड़की से दरिंदगी की कोशिश, डंडे और चप्पल लेकर मनचलों ने घेरा; वीडियो वायरल

बांका (आरएनएस)। बिहार में युवतियों और महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जमुई और समस्तीपुर की सनसनीखेज वारदातों के बाद अब बांका जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल मंदार पर्वत से इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। मंदार पर्वत परिसर में कुछ दबंग मनचलों द्वारा एक बेबस लड़की और उसके साथियों के साथ सरेआम अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है।

हाथ पकड़कर घसीटा, चप्पल-डंडे से पीटने की दी धमकी

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस खौफनाक वीडियो में 3 से 4 दबंग युवक एक लड़की को चारों तरफ से घेरकर धमकाते नजर आ रहे हैं। इनमें से एक सिरफिरे लड़के के हाथ में डंडा और दूसरे के हाथ में चप्पल दिखाई दे रही है। दरिंदगी की हदें पार करते हुए आरोपी लड़की का हाथ जबरन पकड़कर खींचते दिखे और विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकियां देते रहे। पीड़िता खौफ के साए में कांपती नजर आई। जब उसके साथ मौजूद साथियों ने बीच-बचाव की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन्हें भी जमकर पीटा और गाली-गलौज की।

हरकत में आया पुलिस महकमा, 7 अज्ञात बदमाशों पर FIR दर्ज

वीडियो के सोशल मीडिया पर आते ही बांका पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की नजाकत को भांपते हुए बौंसी थाना पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और जांच तेज कर दी। बौंसी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर पंकज कुमार झा भारी पुलिस बल के साथ खुद मंदार पर्वत पहुंचे। स्थानीय दुकानदारों से पूछताछ में तस्दीक हुई कि यह शर्मनाक वारदात मंदार पर्वत परिसर की ही है और आरोपी स्थानीय लड़के हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना अप्रैल महीने के आसपास की बताई जा रही है। थानाध्यक्ष के बयान पर 6 से 7 अज्ञात मनचलों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

जमुई और समस्तीपुर में हो चुकी है कड़ी कार्रवाई, अब बांका पर नजरें

बिहार में युवतियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं को लेकर पुलिस का रुख बेहद कड़ा रहा है। इससे पहले जमुई के मड़वा पहाड़ी पर छात्रा से बदसलूकी करने वाले मुख्य आरोपी नंदन यादव को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर दबोचा था, जबकि समस्तीपुर के कर्पूरी ग्राम में भी छेड़खानी के 4 आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। ऐसे में अब मंदार पर्वत की पवित्र धरती को कलंकित करने वाले इन गुंडों की गिरफ्तारी को लेकर बांका पुलिस की कार्यशैली पर पूरे प्रदेश की निगाहें टिकी हैं।

दवा की पर्ची पर हिंदी को तरजीह दें डॉक्टर, मरीज से मातृभाषा में करें संवाद : ब्रजेश पाठक

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सकों से अपील की है कि वे मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं और जांचों के नाम हिंदी अथवा देवनागरी लिपि में लिखें, ताकि मरीज को यह स्पष्ट रूप से पता हो कि उसे कौन सी दवा दी जा रही है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के साथ उनकी मातृभाषा और स्थानीय बोलियों में संवाद करने का भी आग्रह किया है। ब्रजेश पाठक ने चिकित्सक समुदाय के नाम जारी अपील में कहा कि वह उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हिंदी प्रेमी भारतीय के नाते डॉक्टरों से यह आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत स्तर पर उन दवाओं को प्राथमिकता देंगे, जिनके नाम हिंदी में लिखे होंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था में लोकभाषाओं का इस्तेमाल बढ़ने से मरीज डॉक्टर की सलाह और उपचार को बेहतर ढंग से समझ सकेगा। इससे मरीज और चिकित्सक के बीच विश्वास भी मजबूत होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, लोकभाषा और लोकभावना से मजबूत होता है। राष्ट्रीय एकता भी हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के सशक्त होने से मजबूत होगी। उन्होंने चिकित्सकों से आग्रह किया कि यदि वे भोजपुरी, अवधी और अन्य मातृभाषाओं में मरीजों से संवाद करेंगे तो उनकी बात मरीजों को अधिक सहजता से समझ आएगी और चिकित्सा व्यवस्था पर उनका भरोसा बढ़ेगा। ब्रजेश पाठक ने भारतीय भाषाओं के प्रयोग के संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री विदेशों में भी हिंदी और भारतीय भाषाओं में जनसंवाद करते हैं। चिकित्सकों को भी राष्ट्रनायकों और महापुरुषों के कार्यों तथा विचारों से प्रेरणा लेकर चिकित्सा क्षेत्र में देशज भाषाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देना चाहिए। मरीज के लिए इलाज केवल दवा तक सीमित नहीं है, बल्कि डॉक्टर की बात को समझना और उस पर भरोसा करना भी उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में चिकित्सा क्षेत्र में सरल और मरीज की समझ वाली भाषा का अधिक इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

एक ने गन निकाली, बाकी दो ने चाकू, फिर बारी-बारी से की दरिंदगी', कालकाजी गैंगरेप पीड़िता ने पुलिस को बताई सच्चाई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के कालकाजी इलाके में हुई गैंगरेप की घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस के सामने बयान दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि वह जन्मदिन के दिन दोस्त के साथ मंदिर में पूजा के लिए निकली थी। दर्शन के बाद रास्ते में एक पार्क में तीन लोगों ने उन्हें पकड़ा और गैंगरेप किया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि वह जन्मदिन के अवसर पर कालकाजी मंदिर में पूजा करने के लिए निकली थी और इसकी जानकारी उसने अपनी बहन को दी थी। शाम को मंदिर में पूजा पाठ के बाद वह अपने दोस्त के साथ लौटी और कालकाजी मेट्रो स्टेशन के बाहर से खाने के लिए चिप्स और पानी की बोतल खरीदी। बाद में वे दोनों इस्कॉन मंदिर जाना चाहते थे, लेकिन उसके पहले खाने-पीने के लिए एक पार्क में चले गए। यहीं तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उन्हें पकड़ा।सूत्रों ने बताया कि अपने बयान में पीड़िता ने कहा है कि पार्क में तीन युवक इसके दोस्त के एक तरफ ले गए, जबकि उसे झाड़ियों की ओर ले जाकर तीनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आपस में बातचीत के दौरान एक लड़के ने कहा, 'आसिफ भाई, गन निकाल।' जिस लड़के को आसिफ कहकर बुलाया गया, उसने बैंगनी रंग की शर्ट पहन रखी थी और वह तीनों में सबसे ज्यादा मजबूत शरीर वाला था। आसिफ ने काले रंग की बंदूक निकाली और कुछ देर बाद उसे वापस अपनी जेब में रख लिया।आरोप है कि इसके बाद दोनों लड़कों ने चाकू निकाल लिए और उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। आसिफ ने उसके सारे कपड़े उतार दिए और लाल रंग की बेंच पर लिटा दिया। इसके बाद उसने दूसरे लड़के से कहा, 'हेमू, इधर नजर रखना, कोई इस तरफ न आए।' आसिफ ने गर्दन पर चाकू रखकर उसके साथ जबरदस्ती की। उसे बहुत दर्द हो रहा था और वह रो रही थी। इसके बाद आसिफ ने हेमू से कहा, 'हेमू, तुम आओ, मैं दीपु के पास जा रहा हूं।' इसके बाद हेमू उसे पास की दूसरी बेंच पर ले गया। उसने भी उसकी गर्दन पर चाकू रखा और जबरदस्ती की। इसके बाद तीसरा लड़का, जिसे दोनों दीपु नाम से बुला रहे थे, वहां आया। उसने भी उसकी गर्दन पर चाकू रखा और उसके साथ जबरदस्ती की।

पाक-अफगान सीमा पर फिर भड़की हिंसा, कई तालिबानी लड़ाकों के मारे जाने का दावा

इस्लामाबाद/काबुल (आरएनएस) । पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर तनाव एक बार फिर हिंसक झड़प में बदल गया। बलूचिस्तान के गुलिस्तान सेक्टर में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अफगान तालिबान के हमले और घुसपैठ के प्रयास को नाकाम करने का दावा किया है। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में कई अफगान तालिबानी लड़ाके मारे गए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) के अनुसार, सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि अफगान तालिबान के लड़ाकों ने बलूचिस्तान के गुलिस्तान सेक्टर के रास्ते पाकिस्तानी क्षेत्र में घुसने और आक्रामक गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश की। सीमा पर तैनात पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की।सूत्रों के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान कई तालिबानी लड़ाके मारे गए। घटना के बाद आधी रात तक दोनों पक्षों के बीच रुक-रुककर भारी गोलीबारी जारी रही।

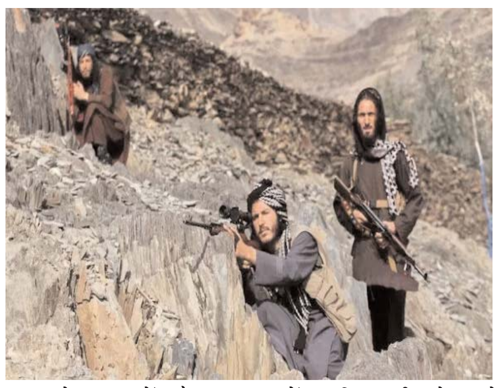

यह ताजा झड़प दोनों देशों के बीच सीमा पर बढ़े तनाव के बीच हुई है। इससे पहले पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा था कि पड़ोसी देश की ओर से किए गए ड्रोन हमलों के जवाब में पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के भीतर 10 अलग-अलग ठिकानों पर सटीक हवाई और ड्रोन हमले किए।सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, बुधवार को अफगानिस्तान की दिशा से तोरखम सीमा और कोहाट के पास आठ ड्रोन पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में दाखिल हुए थे। अधिकारियों का दावा है कि सुरक्षा बलों ने इन सभी ड्रोन को मार गिराया।

इसके अलावा कुर्रम सेक्टर के पास भी अफगान तालिबान बलों की ओर से गोलीबारी की गई। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरान आतंकियों की सीमा पार करने की कोशिश को भी नाकाम कर दिया गया।

पाकिस्तान ने 21 सितंबर को भी खैबर पख्तूनख्वा में हुए आतंकी हमलों के जवाब में अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय आतंकी ठिकानों और पनाहगाहों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने सोमवार को दावा किया था कि इन हमलों में 28 से अधिक आतंकी मारे गए।पाकिस्तानी सूचना मंत्रालय ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि अफगानिस्तान का लगातार आतंकवाद का केंद्र बने रहना गंभीर चिंता का विषय है और पाकिस्तान की सुरक्षा के लिए खतरा अफगानिस्तान की जमीन से पैदा हो रहा है।हालिया सैन्य कार्रवाइयों की पृष्ठभूमि खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट स्थित पुरानी पुलिस लाइन्स पर हुए भीषण आतंकी हमले से भी जुड़ी है। इस हमले में 23 लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 100 लोग घायल हुए थे। हमले के बाद इलाके को सुरक्षित करने के लिए रातभर चलाए गए क्लियरेंस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने आठ आतंकियों को मार गिराने का दावा किया था।

इटली के स्कूलों में बुर्का-नकाब पर प्रतिबंध, विदेशी छात्रों की संख्या भी 30% तक सीमित; अध्यादेश पारित

रोम (आरएनएस) । इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक एकीकरण को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने एक अध्यादेश कानून पारित किया है, जिसके तहत अब इटली के स्कूलों में बुर्का और नकाब पहनने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही स्कूलों में इटैलियन भाषा में कमजोर पकड़ रखने वाले या हाल ही में देश में आए विदेशी छात्रों की संख्या प्रति कक्षा अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित करने का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि 30 प्रतिशत की सीमा का उद्देश्य छात्रों के बेहतर सामाजिक और शैक्षणिक एकीकरण को सुनिश्चित करना है। सरकार की ओर से ऐसे छात्रों को इतालवी भाषा सिखाने के लिए स्कूलों को अतिरिक्त संसाधन और सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।नए नियमों के मुताबिक, यदि कोई बच्चा स्कूल में सामाजिक या शैक्षणिक रूप से तालमेल बिठाने में गंभीर कठिनाई का सामना करता है, तो सोशल सर्विसेज की मदद ली जाएगी। ऐसे मामलों में बच्चे के माता-पिता के लिए मुफ्त इतालवी भाषा की कक्षाओं में शामिल होना अनिवार्य होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर 1,000 यूरो तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इटली यूरोप में प्रवासियों के प्रवेश का प्रमुख केंद्र रहा है और आगामी आम चुनावों के मद्देनजर प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण का मुद्दा देश की राजनीति में अहम बना हुआ है। बाल अधिकारों पर काम करने वाली संस्था 'सेव द चिल्ड्रन' ने चेतावनी दी है कि केवल राष्ट्रीयता या सीमित इतालवी भाषा ज्ञान के आधार पर बच्चों को स्कूल बदलने या अपने साथियों से अलग संस्थानों में दाखिला लेने के लिए मजबूर करने से समाज में प्रथम और द्वितीय श्रेणी के छात्रों जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।

'हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' यूएन में सवाल सुनकर पाक PM शहबाज शरीफ ने साधी चुप्पी

न्यूयॉर्क (आरएनएस) । संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को हाफिज सईद के मुद्दे पर सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते समय एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेगा। शहबाज शरीफ ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए।बाद में जब वह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से बाहर निकले तो पत्रकार ने उनसे फिर सवाल किया कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाया जाएगा। इस सवाल पर भी शहबाज शरीफ ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और बिना जवाब दिए आगे बढ़ गए।शहबाज शरीफ से पूछे गए दोनों सवाल पाकिस्तान में आतंकवाद और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े थे। प्रवेश के दौरान पत्रकार ने पूछा, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' लेकिन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से निकलते समय उनसे पूछा गया, 'लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' इस सवाल पर भी उन्होंने जवाब नहीं दिया।इस घटनाक्रम के बीच पाकिस्तान के आतंकवाद संबंधी रिकॉर्ड और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। हाफिज मोहम्मद सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और प्रमुख रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है।

ब्रिटेन के बॉर्डर पर बढ़ी चिंता, लगातार दो दिन बिना रोक-टोक तट तक पहुंचीं प्रवासियों से भरी नावें

लंदन (आरएनएस) । ब्रिटेन की समुद्री सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। लगातार दो दिनों तक छोटी नावों के जरिए सैकड़ों अवैध प्रवासियों के बिना किसी रोक-टोक केंट तट पर पहुंचने के बाद ब्रिटिश सरकार हरकत में आ गई है। होम सेक्रेटरी शबाना महमूद ने इस गंभीर चूक पर सख्त रुख अपनाते हुए पूरे मामले की तत्काल उच्चस्तरीय समीक्षा के आदेश दिए हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि बॉर्डर फोर्स का नावों को तट तक पहुंचने से न रोक पाना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

डोवर तट पर 21 हिरासत में, तस्करों ने बदला घुसपैठ का पैंतरा

यह मामला तब गरमाया जब डोवर के सैम्फायर हो बीच पर अवैध प्रवासियों से भरी एक नाव सीधे किनारे आ पहुंची, जिसके बाद बॉर्डर सिक्योरिटी कमांड ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 21 लोगों को हिरासत में ले लिया। आमतौर पर इंग्लिश चैनल पार करने वाले प्रवासियों को बॉर्डर सिक्योरिटी या लाइफबोट्स द्वारा बीच समंदर में ही

इंटरसेप्ट कर किनारे लाया जाता है। होम सेक्रेटरी ने बताया कि निगरानी सख्त होने के कारण मानव तस्करों ने अब अपने तौर-तरीके बदल लिए हैं। अब वे फ्रांस के पश्चिमी तटों से नावें रवाना कर रहे हैं, जिससे प्रवासियों को और अधिक लंबे व जानलेवा समुद्री रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है।

विपक्ष का तीखा हमला: 'अराजक हुई सीमा सुरक्षा, फ्रांस से नहीं हो रही कोई रोक-टोक'

इस घटना को लेकर ब्रिटेन की घरेलू सियासत भी गरमा गई है। मुख्य विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के शैडो होम सेक्रेटरी क्रिस फिल्प ने सरकार की घेराबंदी करते हुए इसे 'पूरी तरह खुली छूट' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्रिटेन की बॉर्डर सिक्योरिटी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और फ्रांस की तरफ से भी इन खतरनाक नावों को रोकने का कोई ठोस प्रयास नहीं दिख रहा है।

आंकड़ों में 45 फीसदी की गिरावट, फिर भी चूक पर अलर्ट मोड में सरकार

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक लगभग 17,784 प्रवासी छोटी नावों के सहारे इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंच चुके हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि 2026 में यह आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले करीब 45 फीसदी कम दर्ज किया गया है। सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि सितंबर 2025 में सिर्फ एक नाव बिना एस्कॉर्ट के तट तक पहुंच सकी थी। इसके बावजूद लगातार दो दिनों में हुई इस भारी चूक के बाद बॉर्डर सिक्योरिटी कमांड को पूरी कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा कर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर पूरी तरह नकेल कसी जा सके।

मनोरंजन

क्या आप हमेशा चिड़चिड़े रहते हैं? इन 5 तरीकों से खुद को रखें खुश

कई लोग खुद को हमेशा चिड़ा हुआ पाते हैं और ऐसा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि तनाव, नींद की कमी या मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं। अगर आप हमेशा चिड़े रहते हैं तो इससे न केवल आपका दिन खराब होता है, बल्कि आपके आसपास के लोगों पर भी इसका असर पड़ता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप खुद को कम चिड़ा और अधिक खुश रख सकते हैं।

पर्याप्त नींद लें

पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं। अगर आप ठीक से नहीं सोते हैं तो आपके मूड पर असर पड़ सकता है। कोशिश करें कि आप रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें। इसके अलावा सोने से पहले मोबाइल और टीवी देखने से बचें ताकि आपकी नींद में कोई रुकावट न हो।

नियमित नींद लेने से आपका शरीर और दिमाग तरोताजा रहता है।

नियमित एक्सरसाइज करें

नियमित एक्सरसाइज करने से आपका शरीर स्वस्थ रहता है और मन भी खुश रहता है। एक्सरसाइज करने से आपके शरीर में ऐसे रसायन उत्पन्न होते हैं, जो आपके मूड को बेहतर बनाते हैं। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं।रोजाना कम से कम 30 मिनट तक किसी न किसी एक्सरसाइज को जरूर करें, जैसे कि दौड़ना, साइकिल चलाना या योग करना। इससे आपका शरीर और दिमाग तरोताजा रहता है।

संतुलित आहार लें

संतुलित आहार लेने से आपका शरीर स्वस्थ रहता है और मन भी खुश रहता है। कोशिश करें कि आपके खाने में फल, सब्जियां, दालें और साबुत अनाज शामिल हों। तली-भुनी चीजें खाने से बचें क्योंकि इससे आपका मूड खराब हो सकता है।इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है ताकि आपका शरीर तरोताजा रहे और थकान महसूस न हो। सही खान-पान से आपका शरीर और दिमाग तरोताजा रहता है।

मेडिटेशन करें

मेडिटेशन करने से आपका मन शांत होता है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं। रोजाना कुछ मिनट मेडिटेशन करने से आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप चिड़चिड़ापन कम महसूस करते हैं।मेडिटेशन करने के लिए किसी शांत जगह पर बैठकर आंखें बंद करें और गहरी सांस लें।अपने विचारों को नियंत्रित करने की कोशिश करें और केवल अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें। इससे आपका मन शांत रहेगा और आप अधिक खुश महसूस करेंगे।

सकारात्मक सोच रखें

सकारात्मक सोच रखने से आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप अधिक खुश महसूस करते हैं। नकारात्मक विचारों को दूर करने की कोशिश करें और हर स्थिति में अच्छे पहलुओं को देखें।खुद से सकारात्मक बातें कहें जैसे मैं सक्षम हूं, मुझे सब कुछ अच्छा लगेगा आदि। इससे आपका मूड बेहतर होगा और आप चिड़चिड़ापन कम महसूस करेंगे।सकारात्मक सोच रखने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आप जीवन में नई चुनौतियों का सामना कर सकेंगे।

ऋतिक रोशन के साथ एक छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजक्ता कोली की जिंदगी, ऐसे शुरू हुआ यूट्यूब का सफर

आज प्राजक्ता कोली को लोग एक सफल कंटेंट क्रिएटर, एक्ट्रेस और राइटर के तौर पर जानते हैं। मोस्टली सेन के नाम से उन्होंने डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और बाद में एक्टिंग में भी कदम रखा। एक समय ऐसा था जब प्राजक्ता सिर्फ रेडियो जॉकी बनने का सपना देखती थीं और इसी सपने को पूरा करने के लिए एक रेडियो स्टेशन में इंटर्नशिप कर रही थीं। उन्हें नहीं पता था कि एक दिन रेडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा बदल देगा। प्राजक्ता ने हाल ही में पहला पहला के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, मैं ठाणे में पली-बढ़ी और बचपन में रेडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी वजह से मैंने रेडियो स्टेशन में इंटर्न के तौर पर काम करना शुरू किया। उस वक्त फिल्म बैंग बैंग रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन फिल्म के प्रमोशन के लिए रेडियो स्टेशन आए थे।प्राजक्ता ने आगे बताया, रेडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वहां एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गानों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटर्न थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूं। मैं डांस करने के लिए तैयार हो गई और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे।प्राजक्ता ने बताया, डांस के बाद सुदीप ने मेरा ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं इस तरह के वीडियो बनाती हूं। मैंने साफ कहा कि नहीं, मैं ऐसा कुछ नहीं करतीं।उन्होंने कहा, इसके बाद सुदीप ने मुझे अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि मुझे यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए। उस समय मुझे यूट्यूब के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। मुझे यह तक नहीं पता था कि यूट्यूब पर कंटेंट बनाकर करियर कैसे बनाया जाता है। मेरे लिए उस वक्त सबसे बड़ा लक्ष्य रेडियो जॉकी बनना था।

मेडिटेशन करना चाहते हैं? इन 5 तरीकों से शुरू करें साधारण मेडिटेशन की आदत

मेडिटेशन करना एक ऐसी आदत है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। हालांकि, कई लोग इसे अपनी दिनचर्या में शामिल नहीं कर पाते हैं या इसे सही तरीके से नहीं जान पाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं और इसका पूरा लाभ उठा सकते हैं।

सुबह-सुबह मेडिटेशन करने की आदत डालें

सुबह का समय मेडिटेशन करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय मन शांत होता है और आप आसानी से ध्यान लगा सकते हैं।

सुबह उठते ही कुछ मिनट के लिए एक शांत जगह पर बैठें, अपनी आंखें बंद करें और गहरी सांस लें। धीरे-धीरे अपने सांस पर ध्यान केंद्रित करें और सोचें कि आप दिनभर की चुनौतियों से दूर हैं।

यह प्रक्रिया आपके मन को शांत करेगी और पूरे दिन आपको ऊर्जा से भरपूर महसूस कराएगी।

एक तय समय निर्धारित करें

मेडिटेशन करने के लिए एक तय समय निर्धारित करना बहुत जरूरी है। इससे आपकी आदत बन जाएगी और आप इसे नियमित रूप से कर पाएंगे।उदाहरण के लिए, अगर आप सुबह 10 मिनट मेडिटेशन करने का समय तय करते हैं तो रोजाना उसी समय पर बैठकर मेडिटेशन करें। धीरे-धीरे आप इसे बढ़ाकर 20-30 मिनट तक ले जा सकते हैं।इस तरह आपके शरीर और मन दोनों को इसकी आदत पड़ जाएगी और आपको इसके फायदे भी मिलेंगे।

सरल तरीकों का उपयोग करें

मेडिटेशन करने के लिए सरल तरीकों का उपयोग करें जैसे कि गहरी सांस लेना, मंत्र जाप करना या ध्यान केंद्रित करना। इन तरीकों

से आप आसानी से ध्यान लगा सकते हैं और ज्यादा समय नहीं लगेगा।

उदाहरण के लिए, गहरी सांस लेने के लिए नाक से गहरी सांस लें और मुंह से धीरे-धीरे छोड़ें।

इसी तरह मंत्र जाप के लिए किसी सरल मंत्र का चयन करें और उसे बार-बार दोहराएं।

मोबाइल फोन से दूरी बनाएं

आजकल मोबाइल फोन हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गया है, जिससे मेडिटेशन करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए मेडिटेशन करते समय मोबाइल फोन को अपने पास न रखें या उसे साइलेंट मोड पर रख दें ताकि आपकी एकाग्रता भंग न हो।

अगर संभव हो तो मोबाइल फोन को किसी दूर जगह रख दें जहां से उसकी आवाज सुनाई न दे। इससे आपकी एकाग्रता बनी रहेगी और आप बेहतर तरीके से ध्यान लगा पाएंगे।

(रायपुर) मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें किया नमन।

बस्तर में उफान पर नदियां, कलेक्टर-एसपी ने बाढ़ प्रभावित इलाके का किया मुआयना

जगदलपुर, (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुए चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से समूचे बस्तर संभाग में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदी-नाले उफान पर आने से जिले के प्रमुख संपर्क मार्गों पर आवागमन ठप हो गया है, वहीं इंद्रावती नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने और सुरक्षा मानकों के तहत ओडीसा में इंद्रावती नदी पर बने खातीगुड़ा बांध के तीन तथा मुरान बांध के दो गेट खोलकर भारी मात्रा में अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे निचले और तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। इस हालात को मद्देनजर रखते हुए बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा एवं पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने स्वयं बाढ़ प्रभावित और संवेदनशील इलाकों का भ्रमण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने अपने भ्रमण के दौरान जगदलपुर शहर के गंगामुंडा पारा, महादेव घाट,

खड़कघाट, मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल डिमरापाल के नजदीकी क्षेत्र तथा नगरनार-भेजापदर मार्ग पर नदी बोड़ना सहित कई जलभराव वाले स्थलों का स्थलीय मुआयना किया। इस दौरान अधिकारियों ने संभावित आपदा से निपटने के लिए तैयार किए गए राहत शिविरों का जायजा लेकर वहां प्रभावित परिवारों के ठहरने की व्यवस्था सहित भोजन, पेयजल और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा भी की।

धारदार हथियारों के साथ चार पकड़े गए

भिलाई, (आरएनएस)। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के डबरा पारा चौक में धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अपचारी बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से चार धारदार हथियार बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार 25 सितंबर को सूचना मिली थी कि कुछ युवक न्यू खुर्सीपार के डबरा पारा चौक में हथियार लेकर आम नागरिकों और राहगीरों को भयभीत कर रहे हैं। सूचना पर खुर्सीपार पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्धों को पकड़ा।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान शेख समीर (19), देवराज साहू (19) और नरसिंह कुर्रे (21) के रूप में हुई है। इनके साथ एक अपचारी बालक को भी अभिरक्षा में लिया गया। तलाशी में चार धारदार हथियार बरामद हुए।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 435/2026, 436/2026 और 437/2026 के तहत धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड मिलने पर उन्हें जेल भेज दिया गया। अपचारी बालक के संबंध में किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण केंवट और खुर्सीपार थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थान पर हथियार लेकर घूमने या लोगों को डराने-धमकाने जैसी गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

अवैध शराब के साथ पांच गिरफ्तार

दुर्ग, (आरएनएस)। ऑपरेशन विश्वास के तहत दुर्ग पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 118 पौवा अवैध शराब, 500 रुपये नकद और शराब परिवहन में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन जब्त किया गया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 62,300 रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 24 सितंबर को अवैध शराब बिक्री की सूचना मिलने पर सुपेला, पुरानी भिलाई-2 और दुर्ग थाना पुलिस की टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी कर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से कुल 118 पौवा शराब बरामद हुई।

हेरोइन मामले में तीन फरार आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, (आरएनएस)। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में हेरोइन तस्करी के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की लगातार पतासाजी के बाद 25 सितंबर को उन्हें पकड़ा। प्रकरण में पूर्व कार्रवाई के दौरान 70.460 ग्राम हेरोइन समेत करीब 29.22 लाख रुपये की सामग्री जब्त की गई थी।पुलिस के अनुसार 19 सितंबर को सूचना मिली थी कि जोन क्रमांक-3, जीरो स्ट्रीट खुर्सीपार स्थित एक मकान में हेरोइन का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 70.460 ग्राम हेरोइन, नगदी, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक तराजू सहित कुल करीब 29,22,300 रुपये की सामग्री जब्त की थी। इस मामले में थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 431/2026 के तहत धारा 8, 21(ख), 27(क) एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान फरार आरोपियों की तलाश की जा रही थी।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैमसंग प्रसाद उर्फ सल्लू (32), गुरमीत सिंह उर्फ लक्की (21) और आशीष कुमार शाह (26) के रूप में हुई है।

साइबर ठगी की राशि वापसी पर प्रशिक्षण

दुर्ग, (आरएनएस)। साइबर अपराध पीड़ितों की ठगी गई राशि को शीघ्र सुरक्षित कर वापस कराने के उद्देश्य से पुलिस लाइन दुर्ग स्थित दधीचि सभागार में GRM (Grievance Redressal Mechanism) एवं MRM (Money Restoration Module) के प्रभावी संचालन पर रेंज स्तरीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की उपस्थिति में पुलिस अधिकारियों, साइबर कमांडो और बैंक अधिकारियों को साइबर ठगी के मामलों में त्वरित वित्तीय कार्रवाई की प्रक्रिया समझाई गई। मुख्य वक्ता सहायक पुलिस महानिरीक्षक कवि गुप्ता ने GRM पोर्टल पर शिकायतों के निराकरण तथा MRM के माध्यम से ठगी की राशि वापस कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी। प्रशिक्षण में दुर्ग, बेमेतरा और बालोद जिले के 45 बैंक मैनेजर तथा थानों में पदस्थ 50 से अधिक साइबर कमांडो शामिल हुए। इस दौरान साइबर ठगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस और बैंकिंग संस्थाओं के बीच तत्काल समन्वय स्थापित कर राशि पर होल्ड एवं लियन लगाने तथा आवश्यक न्यायालयीन प्रक्रिया के माध्यम से पीड़ित को राशि वापस कराने की कार्रवाई पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग हर्षित मेहर, उप पुलिस अधीक्षक अनूप लकड़ा और उप पुलिस अधीक्षक यदुमणि सिदार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चक्रवाती तूफान से बस्तर बेहाल, जगदलपुर-रायपुर एनएच-30 जलमग्न,आवागमन बाधित

जगदलपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव के बीच लगातार जारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। इसी बीच जगदलपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर भी यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है। जगदलपुर से रायपुर की तरफ करीब 25 से 30 किलोमीटर दूर सोनारपाल के पास हाईवे पर खेतों और आस-पास के इलाकों का पानी भर गया है। सड़क पर पानी का स्तर बढ़ने के कारण दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतार लग गई है। बड़ी संख्या में वाहन हाईवे पर फंसे हुए हैं, जिससे आवागमन बाधित हो गया है। बारिश के कारण सोनारपाल क्षेत्र के खेत पूरी तरह पानी से भर गए हैं। खेतों का पानी और बैकवॉटर हाईवे की ओर आने से सड़क का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया। इसके चलते वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है और हाईवे के दोनों ओर करीब 2 से 3 किलोमीटर तक वाहनों की कतार देखी जा रही है। स्थिति को देखते हुए मौके पर एसडीआरएफ की टीम को तैनात किया गया है। प्रशासन की ओर से हालात पर नजर रखी जा रही है और जलभराव वाले क्षेत्र में लोगों की आवाजाही को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। बस्तर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश का असर रेलवे परिचालन पर भी पड़ा है। किरंदुल-विशाखापट्टनम और बस्तर रूट पर चलने वाली कई प्रमुख ट्रेनों को रद्द किया गया है। लगातार बारिश के कारण बस्तर के कई हिस्सों में सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ है। एनएच-30 पर जलभराव एवं ट्रेनों के संचालन प्रभावित होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रशासन और राहत दल प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

अवैध कबाड़ दुकान पर छापा

रायगढ़,(आरएनएस)। ऑपरेशन प्रहार के तहत धरमजयगढ़ पुलिस ने पीपरमार चौक स्थित अवैध कबाड़ दुकान पर कार्रवाई कर करीब 800 किलोग्राम लोहे और टीन का कबाड़ तथा पिकअप वाहन जब्त किया है। जब्त कबाड़ की कीमत करीब 50 हजार रुपये और पिकअप वाहन की कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चोरी के माल की खरीद-बिक्री और खपत पर रोक लगाने के लिए जिले में अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में धरमजयगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश जांगड़े को मुखबिर से पीपरमार चौक में कबाड़ दुकान संचालित किए जाने की सूचना मिली।सूचना पर पुलिस टीम ने गवाहों के साथ मौके पर दबिश दी। वहां मनतोष यादव (30), निवासी नीचेपारा धरमजयगढ़, कबाड़ के साथ मिला।

7 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल की सजा

जशपुर, (आरएनएस)। कांसाबेल थाना क्षेत्र में 7 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने 62 वर्षीय आरोपी विनोद एक्का उर्फ जशपुरिया उर्फ छोटा दादू को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश, एफ्टीसी जशपुर जनार्दन खरे की अदालत ने आरोपी को दोषसिद्ध किया।

पुलिस के अनुसार, 13 अगस्त को पीड़िता के पिता की शिकायत पर अपराध क्रमांक 151/2026 दर्ज किया गया था। विवेचना के बाद 2 सितंबर को न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया गया। 24 सितंबर को न्यायालय ने फैसला सुनाया। इस तरह एफ्आईआर के 40 दिन और अभियोग पत्र पेश होने के 23 दिन के भीतर मामले में सजा हुई। न्यायालय ने धारा 65(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20-20 वर्ष सश्रम कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई। धारा 127(2) बीएनएस में एक वर्ष का कारावास और अर्थदंड भी लगाया गया। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। प्रकरण की विवेचना थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ताम्रकार ने की, जबकि विशेष लोक अभियोजक अनुपम कुमार तिर्की ने पैरवी की।

खेल समाचार

एशियन गेम्स : भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने थाईलैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई

तोकाई (आरएनएस)। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा।

इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले।

भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया। दूसरे हाफ में भारत ने 12 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स लिए तथा एक ऑल आउट किया, जबकि नेपाल आखिरी 15 मिनट में सिर्फ पांच आउट पॉइंट्स और दो बोनस पॉइंट्स ही कर पाया।

महिला कबड्डी टीम का फाइनल मुकाबला भी शनिवार को चीनी ताइपे या फिर ईरान से होगा।

एशियन गेम्स : भारतीय महिला कबड्डी टीम ने नेपाल को हराकर फाइनल में जगह बनाई

नागोया (आरएनएस)। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के महिला कबड्डी फाइनल में जगह बना ली है। इवेंट में जोरदार प्रदर्शन कर रही भारतीय टीम ने इस मैच की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में की और पहले पांच मिनट में ही असरदार रेड से पॉइंट्स जमा करके 9-5 की लीड ले ली। नेपाल ने भारतीय रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया, जिसमें इंडियन रेडर सोनाली पर एक सुपर टैकल भी शामिल था, जिससे वह लाइन तक नहीं पहुंच पाईं। इसके बावजूद, इंडिया ने 15-10 की पांच पॉइंट्स की मामूली लीड बनाए रखी। नेपाल की गंगा घिमिरे ने एक शानदार रेड की, एंकल होल्ड के बावजूद चार पॉइंट्स कमाए, जिसकी पुष्टि एक लंबे रिव्यू के बाद हुई। इससे पहले हाफ में चार मिनट बाकी रहते अंतर 21-15 हो गया। हालांकि, इंडिया ने धीरे-धीरे अपनी बढ़त बढ़ाई, और हाफ टाइम तक 31-17 की बड़ी लीड ले ली। इस दौरान संजू देवी और सोनाली का प्रदर्शन दमदार रहा। दूसरे हाफ में भी भारत ने बढ़त बनाए रखी और 48-24 से बड़ी जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह बना ली।

एशियन गेम्स 2026: गुलवीर सिंह ने सिल्वर जीतकर रचा इतिहास, 10 हजार मीटर रेस में 2 मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

नागोया (आरएनएस)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार को नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में 10 हजार मीटर की रेस में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर पुरुषों की 10 हजार मीटर की रेस में दो एशियन गेम्स मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। गुलवीर ने 25 लैप की मुश्किल रेस 28:29.38 में पूरी की और दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने हांग्जो में हुए एशियन गेम्स 2023 में इसी इवेंट में जीते ब्रॉन्ज मेडल के साथ अब सिल्वर मेडल भी अपने नाम कर लिया है। वह पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में दो बार एशियन गेम्स के पोडियम पर खड़े होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो गुलवीर से सिर्फ 1.87 सेकंड आगे रहे, जबकि उनके साथी अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। चीन के वांग वेनजी 28:38.14 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे। गुलवीर रेस के बीच के चरणों में लीडर्स के करीब बने रहे और जब 2,000 मीटर की रेस बाकी थी, तब भी मेडल की रेस में मजबूती से बने हुए थे। अंतिम लैप्स में गुलवीर ने तेजी दिखाई, बहरीन के दो धावकों के बीच जगह बनाई और शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया।यह सिल्वर मेडल गुलवीर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले उन्होंने हांग्जो एशियन गेम्स 2023 में 10,000 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, जहां उनके साथी कार्तिक कुमार ने सिल्वर मेडल हासिल किया था। 2023 में उनके डबल पोडियम ने एशियाई खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में भारत के लंबे इंतजार को खत्म किया था।ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 10,000 मीटर रेस में सिल्वर और 5,000 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वह 10 हजार मीटर रेस में भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। भारतीय सेना में नायब सूबेदार गुलवीर ने भारत के बेहतरीन लॉन्ग-डिस्टेंस रनर्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में 5,000 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और इसके बाद साउथ कोरिया में हुई एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 5,000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों रेस में गोल्ड मेडल जीतकर 'गोल्डन डबल' पूरा किया था। गुलवीर ने 5,000 मीटर शॉर्ट ट्रैक रेस 12 मिनट 59.77 सेकंड में पूरी की है, जबकि 10,000 मीटर में उनका सर्वश्रेष्ठ समय 27 मिनट 00.22 सेकंड है। 12:59.77 के समय के साथ वे इनडोर रेस में 13 मिनट से कम समय लेने वाले पहले एशियाई एथलीट हैं। 2026 में वह 60 मिनट से कम समय में हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय भी बने, जिसको उन्होंने 59:42 समय में पूरा किया था।

एशियन गेम्स : 50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया (आरएनएस)। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे।

मुलानी के सात विकेट से भारत ए ने पहले अनौपचारिक टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 162 रन से हराया

पुडुचेरी,(आरएनएस)। शम्स मुलानी की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ए ने पहले अनौपचारिक टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ए को 162 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। चौथे दिन शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया ए की टीम 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 55.1 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट हो गई।ऑस्ट्रेलिया ए ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 55 रन से की थी। उसे जीत के लिए 308 रन और चाहिए थे, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने शुरुआती झटके दिए। नाथन मैकस्वीनी गली में कैच देकर आउट हुए, जबकि दो ओवर बाद पीटर हैंड्सकॉम्ब को कम उछाल वाली गेंद ने बोल्ड कर दिया। इसके बाद तुषार देशपांडे ने शानदार रिवर्स स्विंग का प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया ए की पारी को और झटका दिया। उन्होंने जोश फिलिप को बोल्ड किया और फिर लगातार दूसरी गेंद पर लियाम स्कॉट को भी पवेलियन भेज दिया। देशपांडे ने दूसरी पारी में 14 रन देकर तीन विकेट लिए।जेसन सांघा को 11 रन के निजी स्कोर पर स्टंपिंग का मौका मिला, जबकि इसी ओवर में उनके खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील भी हुई, लेकिन भारत ने रिव्यू नहीं लिया। हालांकि, सांघा ज्यादा देर नहीं टिक सके और तनुश कोटियान की गेंद पर स्लॉग स्वीप खेलने के प्रयास में 26 रन बनाकर बोल्ड हो गए।इसके बाद फर्गस ओ नील और टॉड मर्फी ने आठवें विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया ए की हार को कुछ देर टाला। यह मैच में ऑस्ट्रेलिया ए की एकमात्र अर्धशतकीय साझेदारी रही। लंच के बाद भारत ए को जीत के लिए सिर्फ 6.1 ओवर लगे। शम्स मुलानी ने ओ नील को डीप मिडविकेट पर कैच कराया।

एशियाई खेल 2026: पीटी उषा ने निशानेबाजों के जज्बे और एकाग्रता को सराहा,पदक जीतने पर दी बधाई

आइची-नगोया, (आरएनएस)। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेल 2026 के छठे दिन भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। भारतीय निशानेबाजों ने शुक्रवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में एक-एक रजत और स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदक अभियान को मजबूती दी। पीटी उषा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उनके जज्बे और एकाग्रता को सराहा। उन्होंने रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार के साथ-साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली सुरूचि सिंह और कमलजीत को बधाई दी और ऐश्वर्य तथा नीरज को व्यक्तिगत फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं।

पीटी उषा ने कहा, हमारे खिलाड़ियों ने जिस जज्बे और एकाग्रता का प्रदर्शन किया है, उस पर गर्व है। सुरूचि और कमलजीत की युवा पिस्टल मिश्रित टीम ने शानदार निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य, नीरज और रुद्रांक्ष की 50 मीटर थ्री पोजीशन टीम ने भी दमदार प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य और नीरज को उनके फाइनल के लिए शुभकामनाएं। #JeetHamari-Hai"

पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार की भारतीय टीम ने 1762-94 का स्कोर बनाया। चीन ने 1766-95 के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया को 1751-87 के साथ कांस्य पदक मिला।

भारतीय टीम ने 2022 एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा का स्वर्ण जीता था। इस बार उसे चीन से अपना खिताब गंवाना पड़ा। व्यक्तिगत स्पर्धा में ऐश्वर्य 589-34 के साथ तीसरे और नीरज 588-34 के साथ चौथे स्थान पर रहे। दोनों ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के व्यक्तिगत फाइनल में जगह बना ली है। रुद्रांक्ष 585-26 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे और फाइनल में

धूमधाम के साथ निकली गणेश भगवान की शोभायात्रा, नर्मदा तट कृत्रिम कुंड में हुआ विसर्जन

दोपहर से लेकर शाम तक 5 हजार मूर्तियों का हो चुका विसर्जन

नर्मदापुरम (निप्र)। भगवान श्री गणेश उत्सव के दस दिवसीय महोत्सव का धूमधाम के साथ समापन हुआ। अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर नर्मदा तट के हर्बल पार्क में बने कृत्रिम कुंड में समारोह पूर्वक गाजे बाजे के साथ मूर्तियों का विसर्जन किया गया। इस मौके पर नपा के अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस बल और गोताखोर भी तैनात रहे। मूर्तियां कलेक्शन करने के लिए नपा के कर्मचारी विभिन्न स्थानों व घाटों पर मौजूद रहे। गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ शुक्रवार को भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन का सिलसिला दोपहर बाद से शुरू हो गया था। शाम तक ही करीब 3 हजार मूर्तियों का विसर्जन कुंड में हो चुका था। देर रात तक विसर्जन जारी रहा। पूरे दिन में घाट सहित अन्य स्थानों पर 5 हजार से अधिक मूर्तियों का विर्सनज हो चुका था। अधिकांश समितियों ने शाम को गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया। कुछ श्रद्धालुओं ने घर में ही विसर्जन की प्रक्रिया पूरी की। शहर के कई श्रद्धालुओं ने नगर पालिका के वाहन में प्रतिमाएं रखी जिन्हें हर्बल पार्क के कृत्रिम कुंड में विसर्जन किया गया। बड़ी मूर्तियों को विसर्जन के लिए इटारसी से क्रेन बुलवाई गई।

अन्य घाटों पर लगाया पुलिस बल

प्रशासन के द्वारा शहर के 10 प्रमुख घाटों में से सिर्फ हर्बल पार्क घाट पर ही विसर्जन की अनुमति दी गई थी। बांकी के सभी घाटों पर रोक लगाई गई। अन्य घाटों पर मूर्तियों के विसर्जन के लिए पहुंचने वालों को दूसरे घाटों की ओर रवाना किया जा रहा था। वहीं हर्बल पार्क के कुंड के पास अधिकारी व पुलिस बल मौजूद रहे।

सिर्फ प्रतिमाएं की विसर्जित

शहर के कई लोग बीते अनेक वर्षों से नर्मदा में प्रदूषण रोकने के लिए नपा के द्वारा बनाए जाने वाले कृत्रिम कुंड में ही गणेश प्रतिमाओं का विजर्सन करते आ रहे हैं। ज्यादातर लोगों ने इस बार गणेश जी की मूर्ति मिट्टी की व छोटे आकार की ही स्थापित की थी। इस कारण अनेक लोगों ने अपने घरों की क्यारी व गमले में भी विसर्जन किया है। फूलमाला व अन्य सामग्री अलग कर हटाई जा रही थी।

नपा के द्वारा एकत्रित की गई मूर्तियां

नगर पालिका और द्वारा बीते दो तीन दिनों से यह आव्हान किया जा रहा है कि गणेश जी की मूर्ति कुंड में ही विसर्जन करने के लाएं। मूर्तियों के संग्रह का कार्य नपा के वाहनों के द्वारा घाटों के पास व अन्य अनेक स्थानों पर किया गया।

आज से शुरू हो जाएगा पितृपक्ष, 16 दिन तक होगें तर्पण

श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा श्राद्ध, पितरों को करेंगे याद

नर्मदापुरम (निप्र)। परिजनों की मृत्यु के बाद श्रद्धापूर्वक मनाए जाने वाला श्राद्ध पक्ष कल शनिवार से शुरू हो जाएगा। भादों माह की पूर्णिमा से लेकर पितृमोक्ष अमावस्या तक 16 दिन पितृपक्ष रहता है। पं आचार्य नीरजेश त्रिपाठी के अनुसार इन 16 दिनों में लोग अपने पूर्वजों को जल अर्पण करते हैं तथा उनकी पुण्यतिथि पर श्राद्ध किया जाता है। पिता-माता व अन्य परिजनों की मृत्यु के बाद उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक किए जाने वाले कर्म को श्राद्ध कहा जाता है। आचार्य पं त्रिपाठी ने कहा कि 'श्रद्धया इदं श्राद्धम्' अर्थात जो श्रद्धा से किया जाता वह श्राद्ध है। उन्होंने बताया कि इन श्राद्धपक्ष में पितरों का श्रद्धापूर्वक तर्पण अवश्य ही याद कर श्राद्ध किया जाता है। खासकर उनका आशीर्वाद लिया जाता है। तर्पण किसी नदी या जलाशय में किया जाता है।

श्रद्धापूर्वक शुरू होंगे तर्पण

इस बार श्राद्ध पक्ष 26 सितंबर से प्रारंभ हो रहे हैं। पूर्णिमा श्राद्ध को श्राद्ध पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। पूर्णिमा श्राद्ध भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि को किया जाता है। यह ध्यान रहे कि पूर्णिमा तिथि पर मृत्यु वालों के लिए महालय श्राद्ध की अमावस्या श्राद्ध तिथि पर किया जाता है। भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध पितृ पक्ष से एक दिन पहले पड़ता है। नर्मदा तट पर तर्पण करने की प्राचीन परंपरा है। सैंकड़ों वर्षों से लोग अपने पितरों का तर्पण नर्मदा तट पर तर्पण करते आए हैं।

पूर्णिमा आज, होंगे अनेक धार्मिक अनुष्ठान

नर्मदा तट पर शुरू होंगे सामूहिक तर्पण के आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। भादों माह की पूर्णिमा आज मनाई जाएगी। इसी दिन श्राद्धपक्ष शुरू हो रहा है। इसलिए नर्मदा तट पर तर्पण करने वालों तथा स्नान करने वालों की भीड़ रहेगी। मां नर्मदा के तट पर पहुंचकर अनेक लोग अपने पुरखों को तर्पण करेंगे। पंडितों के अनुसार भाद्रपद पूर्णिमा के दिन स्नान.दान का काफी अधिक महत्व है। इसके साथ ही इस दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत होने से पितरों का श्राद्ध और तर्पण करना शुभ माना जाता है। इसलिए पूर्व वर्षों की तरह नर्मदा तट के सेठानी घाट, मंगलवारा घाट, कोरी घाट और विवेकानंद घाट पर अनेक लोग सामूहिक रूप से तर्पण करेंगे। इस दौरान पंडित भी वहां पर मौजूद रहेंगे जो तर्पण की विधि बताएंगे। मंत्रोच्चार के साथ तर्पण कार्य कराया जाएगा। माना जाता है कि इस दिन गरीबों या जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराने से पुण्य की प्राप्ति होती है और हर काम में सफलता प्राप्त होती है।

मां की होगी महाआरती

मां नर्मदा की हर पूर्णिमा की तरह इस बार भी शाम के समय सेठानी घाट पर मां नर्मदा महाआरती समिति के द्वारा पूजा अर्चना व पाठ के बाद अनेक ब्राम्हणों के द्वारा 251 दीपों तथा कपूर के साथ मां नर्मदा की महाआरती की जाएगी। सुबह के समय स्नान का क्रम शुरू होने के साथ भगवान सत्यनारायण की कथा भी होती है। अनेक श्रद्धालु पटेघाट के गुरजों पर बैठे हुए पंडितों से भगवान सत्यदेव की कथा कराते हैं। इस प्रकार पूर्णिमा के पावन अवसर पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम जारी रहेंगे।

युवा कुर्मी क्षत्रिय समाज संगठन पहुंचा दिल्ली

मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष को युवा कुर्मी क्षत्रिय समाज संगठन मध्यप्रदेश ने ज्ञापन सौंपा है। डॉ रामकृष्ण कुसमरिया मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष के नेतृत्व में युवा प्रदेश अध्यक्ष तेज कुमार गौर एवं नवील पटेल प्रदेश प्रवक्ता ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति से चर्चा करके कुड़मी जाति को केन्द्र की पिछड़ा वर्ग की सूची में जुड़वाने हेतु निवेदन किया। जिस पर उन्होंने कहा कि अतिशीघ्र हम मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी रिपोर्ट सौंपकर केन्द्र की पिछड़ा वर्ग की सूची में कुर्मी कुरमी के साथ ही कुड़मी जाति को जुड़वायेंगे ऐसा विस्वास दिलाया है, साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि मैं नर्मदापुरम में मां नर्मदा मैया की पूजा अर्चना करके नौका विहार भी कर चुकी हूं तेज कुमार गौर ने साध्वी निरंजन ज्योति से एवं डॉ रामकृष्ण कुसमरिया को नर्मदापुरम में व्यक्तिगत तौर पर भी आमंत्रित किया एवं कुर्मी समाज की समस्या के निराकरण शीघ्र करने का आश्वासन देने हेतु एवं समाज को सम्मान देने हेतु धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है तथा नर्मदापुरम में रात्रि विश्राम करने तथा ब्रह्म मुहूर्त में माँ नर्मदा मैया जी के अभिषेक करने का आग्रह किया जिसे उन्होंने सहज स्वीकार किया। युवा कुर्मी क्षत्रिय समाज संगठन मध्यप्रदेश तेज कुमार गौर नवील पटेल लक्ष्मीकांत वर्मा सुरेश गौर नवीन पटेल नर्मदा प्रसाद गौर डा भगवान दास सिनोटिया भीमराज गौर अशोक मलैया राधेलाल धनकारे हरी प्रसाद वर्मा कन्हैयालाल वर्मा सीताराम पटेल कमलेश झल्लारे सतीश झल्लारे राजेश सिनोटिया एवं क्षेत्रीय संगठनों के पदाधिकारियों ने भी दिल्ली पहुंचकर अपनी उपस्थिति दी।

श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब

सीहोर (आरएनएस)। भगवान की आराधना करने वाला भक्त कभी अकेला और निराश नहीं रहता। भगवान अपने प्रत्येक भक्त की पुकार सुनते हैं और भक्ति में वह शक्ति है, जो मनुष्य के जीवन को नई दिशा दे सकती है। भगवान कब और कैसे किसी मनुष्य की जिंदगी का पासा पलट दें, यह कोई नहीं जानता। इसलिए भक्त को भगवान पर अटूट विश्वास रखते हुए प्रतिदिन उनकी आराधना करनी चाहिए। मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है और अनेक योनियों के बाद यह देह प्राप्त होती है। भक्ति में दिखावा होने पर भगवान की प्राप्ति कठिन हो जाती है।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज सोनी की माता जी का असामयिक निधन

राजघाट पर हुआ अंतिम संस्कार, गणमान्य नागरिकों ने दी श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम (निप्र)। वरिष्ठ पत्रकार मनोज सोनी की मां श्रीमती प्रकाश बाई सोनी जी का गुरूवार देर रात स्वर्गवास हो गया। परिजनों ने बताया कि वे कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। आज शुक्रवार दोपहर को उनका अंतिम संस्कार नर्मदा तट राजघाट पर किया गया। निज निवास हाउसिंग बोर्ड कालोनी हरियाली

चौराहे के पास से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई और राजघाट मां नर्मदा के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र अनिल सोनी, अरूण सोनी व मनोज सोनी ने दी। श्रीमती सोनी हंसमुख और मिलनसार स्वभाव, पर्यावरणप्रेमी, भक्तपरायण थी। उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा रही है। उनकी उम्र करीब 87 वर्ष की थी। श्रीमती सोनी के आकस्मिक निधन पर शहर के स्वर्णकार समाज संगठन सामाजिक बंधुओं गणमान्य नागरिकों पत्रकारों, समाज सेवियों विशिष्ट जनों ने उन्हें राजघाट पर दो मिनिट मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा की शांति की प्रभु से प्रार्थना की।

अवैध मदिरा के विरुद्ध जिलेभर में आबकारी विभाग की कार्रवाई

55 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 510 किलोग्राम लाहन सहित देशी-विदेशी मदिरा बरामद, 13 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न आबकारी वृत्त क्षेत्रों में कार्रवाई की गई।आबकारी विभाग की टीमों द्वारा की गई कार्रवाई में कुल 55 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 510 किलोग्राम लाहन, 3.6 लीटर देशी मदिरा तथा 12.6 लीटर विदेशी मदिरा बरामद की गई। बरामद मदिरा एवं लाहन की अनुमानित कीमत 76 हजार 500 रुपये बताई गई है।अवैध मदिरा से संबंधित मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 13 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। आबकारी विभाग द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध मदिरा के निर्माण एवं विक्रय की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी राजीव द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन से संबंधित गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम, पथरोटा एवं बराखड़कलां में भूमि खेल एवं युवा कल्याण विभाग को हस्तांतरित

पथरोटा में इंडोर हॉल/स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा बराखड़कलां में खेल मैदान/स्टेडियम निर्माण का मार्ग प्रशस्त

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा द्वारा जिले में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की गतिविधियों के लिए प्रचलित भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों का निराकरण करते हुए मध्यप्रदेश शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के पक्ष में भूमि हस्तांतरण के आदेश पारित किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार तहसील इटारसी के ग्राम पथरोटा में इंडोर हॉल/स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 0.405 हेक्टेयर भूमि खेल एवं युवा कल्याण विभाग के पक्ष में हस्तांतरित की गई है। वहीं तहसील सिवनी मालवा के ग्राम बराखड़कलां में खेल मैदान/स्टेडियम निर्माण के लिए 4.046 हेक्टेयर भूमि का हस्तांतरण किया गया है।

भूमि हस्तांतरण से इन क्षेत्रों में खेल अधोसंरचना के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रस्तावित खेल सुविधाओं के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को विभिन्न खेल गतिविधियों में अभ्यास एवं प्रतिभा प्रदर्शन के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन ने मनाया अमृत महोत्सव, एक दर्जन से अधिक पेंशनर्स का किया सम्मान

सीहोर (आरएनएस)। भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन की सीहोर इकाई के तत्वावधान में अमृत महोत्सव एवं वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पेंशनर्स का सम्मान कर उनके दीर्घकालीन सेवाकाल और सामाजिक योगदान को याद किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में एसोसिएशन के सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम में सीहोर यूनिट को सक्रिय रूप से सेवा देने वाले संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा एवं सुभाषचंद्र दुबे का भी विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर भोपाल सर्किल के महासचिव जीके गांधी, मुकुल चंद्र त्रिपाठी, विजय रांगणेकर, मनोहर लालवानी, भोपाल से एपी खरे, ज्ञान सक्सेना, केएल भारती सहित एसबीआई सीहोर के मुख्य प्रबंधक राघवेन्द्र प्रसाद विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सीहोर इकाई के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल, सचिव रघुनाथ सिंह वर्मा एवं कोषाध्यक्ष गिरजेश शर्मा सहित पदाधिकारियों ने अतिथियों एवं सम्मानित सदस्यों का स्वागत किया।

इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन सीहोर इकाई के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य सदस्यों को एकजुट रखने के साथ ही समाजसेवा के कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी करना है। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स अपने अनुभव और समय का उपयोग समाजहित के कार्यों में कर रहे हैं। हरीश अग्रवाल शहर के एक दर्जन से अधिक सेवा संगठनों से जुड़े हुए हैं तथा सत्य संस्था के माध्यम से निर्धन परिवारों में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार में सहयोग सहित विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, वे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गढ़ते हैं-जितेन्द्र तिवारी

सीहोर (आरएनएस)। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि वे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की नींव तैयार करते हैं। शिक्षक का स्थान समाज में सदैव सम्माननीय रहा है। हमें अपने माता-पिता और गुरुजनों का हर परिस्थिति में सम्मान करना चाहिए। साथ ही बुजुर्गों के अनुभवों से सीख लेकर उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना चाहिए। यह बात संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी ने शुक्रवार को शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प केन्द्र में आयोजित सात दिवसीय संकल्प पीढ़ी संवाद अनुभव से भविष्य की ओर कार्यक्रम के दूसरे दिन कही।उन्होंने कहा कि पीढ़ियों के बीच संवाद समाज की मजबूत नींव है। वरिष्ठजनों के पास जीवन का लंबा अनुभव और विभिन्न परिस्थितियों से मिले सीख के भंडार होते हैं। यदि युवा पीढ़ी उनके अनुभवों को समझे और उनसे संवाद करे तो अनेक सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं का समाधान सहज रूप से निकाला जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपने माता-पिता और गुरुजनों के प्रति सम्मान तथा बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दूसरे दिन संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी, कन्या महाविद्यालय की ओर से डॉ. पूजा कश्यप, सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट, संकल्प केन्द्र के आकाश राय एवं अजय मीना सहित अन्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर कन्या महाविद्यालय की ओर से उपस्थित डॉ. पूजा कश्यप ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में माता-पिता की सेवा और सम्मान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है। स्वयं परमात्मा ने भी माता-पिता की सेवा को सर्वोच्च कर्तव्यों में माना है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों से भी जुड़े रहना आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि परिवार ही व्यक्ति के संस्कारों की पहली पाठशाला है। बुजुर्ग परिवार की जीवंत धरोहर होते हैं, जिनके अनुभवों से बच्चों और युवाओं को जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने की सीख मिलती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वड़नगर से वाराणसी जा रहे सेवा संकल्प बाइक राइडर्स से किया वर्चुअली संवाद

जिले में यात्रा के आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

हरदा (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' अंतर्गत वडनगर से वाराणसी तक विशेष बाइक यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा 17 सितंबर को वड़नगर से रवाना हुई है। इस यात्रा में बड़ी संख्या में बाइकों पर सेवा यात्री शामिल हैं। यात्रा के दौरान सेवा, जनसंवाद और राष्ट्रीय एकता से जुड़े संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। वडनगर से वाराणसी तक निकाली जा रही 'जन जल सेवा संकल्प बाइक यात्रा रूट- 9' के हरदा पहुंचने पर जिले में विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शुक्रवार को स्थानीय माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यात्रा में शामिल सेवा यात्रियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान अन्य स्थानों से वर्चुअली जुड़े यात्रियों से भी संवाद किया। कार्यक्रम में पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, पूर्व विधायक टिमरनी संजय शाह, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, शहीदों को पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजली

'जन जल सेवा संकल्प बाइक यात्रा' के दौरान सेवा यात्रियों ने नगर पालिका हरदा में पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होने नगर पालिका में शहीद ज्योति पर शहीदों को नमन कर श्रद्धांजली दी तथा शहीद गेलरी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा, सांसद प्रतिनिधि राजू कमेड़िया, उपाध्यक्ष नगर पालिका अंशुल गोयल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।'जन जल सेवा संकल्प बाइक यात्रा' के दौरान सेवा यात्रियों ने ग्राम करताना की नमो वाटिका पौधरोपण किया। उन्होने करताना के ग्राम पंचायत भवन में जनसंवाद किया। सेवा यात्रियों ने ग्राम गोदड़ी में शासन की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से चर्चा भी की।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com